दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 11 अंक : 90 | जयपुर, रविवार 19 अप्रेल, 2026 | RNI.No.RAJHIN/2016/70162

पश्चिम बंगाल में भजनलाल शर्मा का दूसरे दिन धुआंधार चुनाव प्रचार : जनसभाओं, रोड शो और सामूहिक संवाद से बना नया माहौल

पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान पिछले 2 दिन में मारवाड़ी समाज के लोगों के साथ सतत संपर्क, चर्चा और सामूहिक संवाद से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने विजन में रहे कामयाब, मुख्यमंत्री शर्मा ने कालीघाट में काली मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश और देश के लोगों की खुशहाली की प्रार्थना की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के पश्चिम बंगाल में दो दिन के तूफानी चुनाव प्रचार के कार्यक्रम ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति को काफी हद तक मजबूती प्रदान करती है क्योंकि पिछले दो दिन में मुख्यमंत्री शर्मा ने सुबह से लेकर देर रात तक जिस तरह से मारवाड़ी समाज के लोगों के साथ सामूहिक संवाद करने के साथ-साथ रोड शो और जनसभाओं में प्रभावी और तथ्यात्मक भाषण देकर भारतीय जनता पार्टी के विजन और संकल्प को प्रस्तुत किया उससे मारवाड़ी समाज और प्रवासी राजस्थानियों का समर्थन और मत हासिल करने में मुख्यमंत्री शर्मा काफी हद तक कामयाब होते हुए दिख रहे हैं क्योंकि उनकी जनसभाओं और रोड शो में बड़ी संख्या में मारवाड़ी समाज के लोग अपनी उपस्थिति दिखाते हुए नजर आए। शुक्रवार को भी मुख्यमंत्री शर्मा के रोड शो और जनसभा में मारवाड़ी समाज के लोगों की भारी भीड़ देखी गई। इसी तरह का नजारा शनिवार को भी देखने को मिला जब मुख्यमंत्री शर्मा की जनसभाओं और रोड शो में भारी भीड़ देखने को मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री शर्मा ने शनिवार को दिन की

शुरुआत कालीघाट मंदिर में काली माता के मंदिर में पूजा अर्चना करके शुरू की यहां मुख्यमंत्री शर्मा ने विधिवत रूप से मंदिर में पूजा अर्चना की और लोगों की खुशहाली की प्रार्थना की इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के संगठन से जुड़े नेता और मारवाड़ी समाज के संगठन से जुड़े कई बड़े लोग उनके साथ दिखाई दिए । बड़ी बात यह है कि पिछले दो दिनों में मुख्यमंत्री शर्मा ने अपना ज्यादा समय मारवाड़ी समाज के लोगों के साथ बिताया। उन्होंने मारवाड़ी समाज के लोगों के साथ चर्चा और संवाद तो किया ही इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित हो चुके प्रवासी राजस्थानियों के साथ शनिवार को भी उन्होंने चर्चा की और यह बताया कि पश्चिम बंगाल में डबल इंजन की सरकार बनने से ही पश्चिम बंगाल में विकास के एक नए युग की शुरुआत हो सकती है अन्यथा पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति से आने वाले दिनों में और भी हालत काफी खराब हो जाएंगे । मुख्यमंत्री शर्मा ने जनसभाओं और सामूहिक संवाद के कार्यक्रमों में राजस्थान में पिछले दो साल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद पानी बिजली सड़क चिकित्सा शिक्षा उद्योग स्किल डेवलपमेंट रोजगार कृषि पुलिसिंग इत्यादि क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य हुए और इन कार्यों में केंद्र की मोदी सरकार की ओर से मिले सहयोग और मार्गदर्शन की बात कहीं तथा चुनाव प्रचार में लोगों से साफ कहा कि यहां भाजपा की सरकार बनने के बाद केंद्र से ज्यादा से ज्यादा आर्थिक और हर तरह का सहयोग मिलेगा जिससे पश्चिम बंगाल के विकास का एक नया रास्ता खुलेगा मुख्यमंत्री शर्मा की ओर से प्रस्तुत किए गए भाषण पश्चिम बंगाल में चर्चा का विषय भी बने हुए हैं क्योंकि जनसभाओं को सामूहिक संवाद के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने हर विषय और हर मुद्दे पर बहुत ही प्रभावी तरीके से लोगों को जानकारी दी उनका भाषण राजनीति से हटकर दिखा और वे अपने भाषण में सत्यता और वास्तविक परिस्थितियों का जिक्र करके लोगों को यह बताने का प्रयास कर रहे थे कि डबल इंजन की सरकार के कितने फायदे होते हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में शासन की बागडोर हाथ में लेने के बाद कितने बड़े-बड़े महान और ऐतिहासिक कार्य किए हैं इसलिए उन्होंने अपनी इन प्रभावी भाषणों के माध्यम से पश्चिम बंगाल में भाजपा के चुनाव प्रचार को एक नई गति और दिशा दे दी है खासतौर से मारवाड़ी समाज के लोगों में भाजपा को लेकर एक अलग सा उत्साह देखने को मिल रहा है जो कहीं ना कहीं चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं ।

मोदी सरकार का केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा, महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी की

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। केंद्र की मोदी सरकार ने अपने लाखों कर्मचारियों और पेंशन धारी को बड़ी राहत दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में महंगाई भत्ते और महंगाई राहत में दो प्रतिशत की बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है, महंगाई अलाउंस महंगाई से जुड़ा होता है और साल में दो बार आमतौर पर जनवरी और जुलाई में इसमें बदलाव किया जाता है इसकी गणना औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक का उपयोग करके की जाती है जिसे श्रम मंत्रालय के तहत श्रम ब्यूरो द्वारा हर महीने जारी किया जाता है हालांकि इस बार ऐलान में विलंब हुआ। केंद्रीय सरकारी कर्मचारी और श्रमिक परिषद ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि आमतौर पर बढ़ोतरी की घोषणा सितंबर के अंत में की जाती है और बकाया राशि का भुगतान अक्टूबर की शुरुआत में किया जाता है। मीटिंग अक्टूबर की शुरुआत में किया जाता है कैबिनेट की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन करने से इनकार करने पर विपक्ष की कड़ी आलोचना की उन्होंने कहा कि विपक्ष ने बिल का समर्थन

नहीं करके एक गंभीर गलती की है और भविष्य में उसको इसकी राजनीति कीमत चुकानी पड़ेगी । मोदी ने कहा कि विपक्ष का यह रवैया महिलाओं के प्रति एक नकारात्मक सोच को दिखाता है और इस बात पर जोर दिया कि यह संदेश देश के हर गांव तक पहुंचना चाहिए प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि विपक्षी पार्टियां अब बिल का विरोध करने के बाद अपनी स्थिति को सही ठहरने की कोशिश कर रही है उन्होंने असल में देश की महिलाओं को हरा दिया है जानकारी के अनुसार मोदी कैबिनेट ने 13000 करोड़ रुपए के फंड के साथ एक मेरी टाइम फंड बनाने को भी मंजूरी प्रदान की है इस फंड का मकसद भारतीय ध्वज वाले जहाज इसके अलावा भारत से आने वाले जहाज के लिए स्थिर और केफायती बीमा कवरेज प्रदान करना है इसके अलावा मोदी कैबिनेट ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को 2028 तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी जिसके लिए 3000 करोड रुपए का अतिरिक्त आवंटन किया गया है ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी स्वीकृति, कृषि उपज मण्डी समितियों में होंगे 21 करोड़ 26 लाख रुपये से अधिक लागत के विकास कार्य

जयपुर(कासं) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा कृषि उपज मण्डी समितियों में सुविधा विस्तार एवं आधारभूत संरचना निर्माण के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश की विभिन्न कृषि उपज मण्डियों में 21 करोड़ 26 लाख रुपये से अधिक के विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान

की गई है। कृषि उपज मण्डी समिति, चौमहला (झालावाड़), कुचामन सिटी, 'विशिष्ट श्रेणी' बारां, कोटा (अनाज) एवं प्रतापगढ़ में मण्डी यार्ड के निर्माण कार्य एवं विद्युत संबंधी कार्य करवाए जाएंगे। इससे ना केवल कृषि उपज मण्डियों का आधारभूत ढांचा सुदृढ़ होगा बल्कि अन्नदाता एवं व्यापारियों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

विकसित राजस्थान @2047 के लक्ष्य की पूर्ति में गुड गवर्नेंस और सिटीजन सेंट्रिक प्रशासन मुख्य कारक है : मुख्य सचिव

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया कि रिफॉर्म को अपने साधन के रूप में, लचीलेपन को अपनी ताकत के रूप में, चुनौतियों को अवसरों के रूप में और परिणामों को अपने मापदंड के रूप में अपनाते हुए राजस्थान राष्ट्र के लिए एक आदर्श विकास मॉडल बनता जा रहा है। शनिवार को आरआईसी में 'विकसित राजस्थान@2047: गवर्नेंस ट्रांसफॉर्मड' विषय पर चर्चा में भाग लेते हुए करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान 'विकसित भारत@2047' की यात्रा में एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए एक अद्वितीय स्थिति में है। उसे अपने प्राकृतिक संसाधनों, स्वच्छ ऊर्जा की क्षमता, पर्यटन, कृषि और रणनीतिक स्थिति से ताकत मिल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास का मार्ग समावेश, समानता, स्थिरता और सुशासन पर आधारित है, जो 2047 तक एक विकसित, समृद्ध, समतामूलक और भविष्य-तैयार भारत बनाने के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ जुड़ा हुआ है। 'अमृत काल' (2022-2047) उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक परिवर्तनकारी चरण के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत@2047' लक्ष्य के अनुरूप अगले 25 वर्षों के लिए एक महत्वाकांक्षी, परिणाम-उन्मुख सुशासन एजेंडे की आवश्यकता है, जो नागरिकों को सशक्त बनाए, अन्त्योदय की भावना के अनुरूप सबसे गरीब, सबसे वंचित को सबसे पहले सेवा दे। राज्य सरकार सुशासन के इस एजेंडे को सफलतापूर्वक लागू कर रही है, 'पंच प्रण' के अनुरूप इनिशिएटिव्स को लागू करने के लिए संकल्पबद्ध है। श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि इस परिवर्तन का मार्गदर्शक ढांचा 'ज्ञ्ह' – गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति – पर आधारित है। राज्य का सुधार एजेंडा समावेशी विकास, बेहतर सेवा वितरण और अवसरों तक व्यापक पहुंच के

माध्यम से इन चार स्तंभों के लिए मापने योग्य परिणाम देने के लिए तैयार किया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि'विकसित राजस्थान@2047' विज़न डॉक्यूमेंट अक्टूबर, 2025 में लॉन्च किया गया। यह राज्य विज़न महज़ एक आकांक्षा नहीं बल्कि 2047 तक राजस्थान को एक समृद्ध राज्य और समावेशी विकास का आदर्श मॉडल बनाने का एक व्यावहारिक रोडमैप है। लॉन्च के समय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा कहा था कि यह विज़न डॉक्यूमेंट एक समृद्ध, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार राजस्थान बनाने की स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाता है और राज्य सरकार इस प्रतिबद्धता को धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि यह रोडमैप चार-सूत्रीय दृष्टिकोण पर आधारित है: लोगों का पोषण, समाज को मज़बूत बनाना, बुनियादी ढाँचा और स्थिरता का निर्माण, तथा नीति, वित्त और शासन सुधारों को आगे बढ़ाना। यह 100' साक्षरता और शिक्षा कवरेज, कौशल-आधारित शिक्षा, सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच, सतत जल प्रबंधन, स्मार्ट शहरीकरण, पर्यावरण संरक्षण, तथा युवाओं और महिलाओं के लिए बेहतर अवसरों को प्राथमिकता देता है। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान का लक्ष्य 2028-29 तक 350 अरब और 2047 तक 4.3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनना है, जो कृषि और कृषि-नवाचार, औद्योगिक विकास, पर्यटन, हरित ऊर्जा, बुनियादी ढाँचे और डिजिटल शासन द्वारा संचालित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य की रणनीति न केवल तेज़ विकास पर बल्कि बेहतर नागरिक सुविधाओं, अबाधित कनेक्टिविटी, सामाजिक सुरक्षा और जवाबदेह प्रशासन के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता में सुधार पर भी केंद्रित है। एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि राज्य 'राज-उन्नति' , एआई-सक्षम सेवा वितरण, डिजिटलीकृत भूमि रेकार्ड, परियोजना निगरानी और शिकायत निवारण जैसे सुधारों के माध्यम से नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-सक्षम प्रशासन की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि जनवरी, 2026 में लॉन्च 'राज-उन्नति' केन्द्र सरकार के 'प्रगति' प्लेटफॉर्म पर आधारित है। यह राजस्थान को पहला राज्य बनाता है जिसने 'प्रगति' की तर्ज़ पर सुशासन की इस प्रणाली को लागू किया है, जो केवल निगरानी से हटकर रियल टाइम मापने योग्य परिणामों की ओर एक बदलाव का प्रतीक है।

निःशुल्क जॉच शिविर मे 70 मरीजों को मिला परामर्श

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। श्री अग्रवाल महासभा, अलवर द्वारा आयोजित निःशुल्क ब्लड शुगर (रेंडम),एचबीएवीसी टेस्ट, थाइरॉइड (TSH), बीएमआइ द्वारा किया गया। जॉच शिविर श्रीमती बर्फी देवी पुरूषोत्तमदास श्री अग्रसेन धर्मार्थ चिकित्सालय 95 आर्य नगर, स्कीम नं. 01, राम वाटिका पार्क के पास, में वरिष्ठ रोग विशेषज्ञ द्वारा शिविर आयोजित किया गया। महासभा अध्यक्ष अतुल किशोर गुप्ता ने बताया कि दिनांक 18 अप्रैल 2026 शनिवार को प्रातः 09:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक शिविर में 70 मरीजो की निःशुल्क शुगर (रेंडम), एचबीएवीसी टेस्ट, थाइरॉइड (TSH), बीएमआइ जॉच की गई। शिविर में सर्वप्रथम महासभा अध्यक्ष अतुल किशोर गुप्ता, मंत्री विजय कुमार अग्रवाल, गोविन्द गोयल चिकित्सालय संयोजक, पूर्व मंत्री विष्णु गोयल, प्रो. रमेश चन्द, सुभाष अग्रवाल गोटेवाले, देवेन्द्र गर्ग, चन्दशेखर नांगलबानी वाले ने अग्रसेन जी की प्रतिमा पर माल्यपर्ण कर कैम्प की शुरूआत की एवं, तुलसी राम मित्तल, भानु प्रताप, पदम चन्द अग्रवाल आदि ने कैम्प में अपना सहयोग प्रदान किया।

जिला कलक्टर ने उमरैण क्षेत्र में पेयजल कार्यों एवं शहर में स्वच्छता व विकास कार्यों का किया मौका निरीक्षण

जल जीवन मिशन के तहत प्रगतिरत कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने, पाइपलाइन डालने के तुरन्त पश्चात सडक की मरम्मत करने, स्वच्छता सर्वेक्षण के मानकों के अनुरूप शौचालयों के रख-रखाव करने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने उमरैण क्षेत्र में जल जीवन मिशन के कार्यों तथा अलवर शहर में स्वच्छता से जुड़े कार्यों का सघन मौका निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने उमरैण में जल जीवन मिशन के तहत कराए गए उच्च जलाशय एवं स्वच्छ जलाशय का निरीक्षण कर पेयजल सप्लाई व्यवस्था का अवलोकन किया। जहां पेयजल सप्लाई सुचारू रूप से मिली। इसके पश्चात उन्होंने भूगोर में जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे उच्च जलाशय कार्य एवं प्रगतिरत पाइपलाइन कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि जलाशय के निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष फोकस करते हुए कार्य को समयबद्ध रूप में पूर्ण करावे। उन्होंने पाइपलाइन डालने के कार्य को समयबद्ध व गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि पाइपलाइन डालने के लिए खोदी गई सडक को आज ही चलने लायक रूप में दुरूस्त करावे तथा इसकी मरम्मत इस प्रकार से की जावे कि आवागमन में असुविधा नहीं होवे। उन्होंने पाइपलाइन लिकेज मरम्मत कार्य का अवलोकन कर निर्देश दिये कि पाइपलाइन की लिकेज की सूचना मिलते ही जल्दी से जल्दी उसे दुरूस्त किया जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों के पूर्ण होने तक सभी कनेक्शन करना सुनिश्चित किया जावे।

जिला कलक्टर ने अलवर शहर का सघन दौरा कर शहर की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने रूपबास स्थित जगन्नाथ मंदिर के पास बने शौचालय का निरीक्षण कर नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि स्वच्छता सर्वेक्षण के मापदण्डों के अनुरूप शहर के सभी शौचालयों की साफ-सफाई व रख-रखाव किया जाना सुनिश्चित करावे। इसके पश्चात उन्होंने भवानी तोप सर्किल, ईटाराणा चौराहा, हनुमान चौराहा, अग्रसेन चौराहा से भगतसिंह चौराहा होते हुए परशुराम चौराहे से अखैपुरा के सरकारी स्कूल तक साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेकर नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि जिन खाली भूखण्डों में कचरा है उनके मालिकों पर शास्ति लगाने की कार्रवाई करें। इसी प्रकार जिन दुकानों के सामने कचरा फैला हुआ मिले उनके उपर पर शास्ति लगाए। उन्होंने निर्देश दिये कि एनकेप फण्ड से कराए जा रहे रोड सोल्डरिंग कार्य व पौधारोपण के कार्य गुणवत्ता के साथ करावे। उन्होंने अखैपुरा मौहल्ले में सरकारी विद्यालय के खाली भवन का निरीक्षण कर नगर निगम आयुक्त को भवन की मरम्मत कराने एवं जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक को भवन का उपयोग स्किल डवलपमेंट ट्रेनिंग के कार्यों आदि में करने के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। इस दौरान नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद सैनी, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक देवेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियन्ता एनसीआर किशनलाल सत्यवाल, नगर निगम के सहायक अभियन्ता दिनेश वर्मा, सहायक अभियन्ता जलदाय उमरैण भगवान सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

श्री जगन्नाथ मेला 21 से 29 जुलाई तक होगा आयोजित

परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ भव्य आयोजन की तैयारी शुरू

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। श्री जगन्नाथ मेला कमेटी की बैठक मंदिर प्रांगण में पी. सी. शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष 21 जुलाई से 29 जुलाई तक आयोजित होने वाला श्री जगन्नाथ मेला परंपरागत रीति-रिवाजों एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ भव्य रूप से संपन्न कराया जाएगा। बैठक में मेले की तैयारियों को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। विशेष रूप से रथों की मरम्मत, सर्व समाज के सहयोग से आकर्षक झांकियां निकालने तथा श्रद्धालुओं के लिए प्याऊ आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ ही मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कई आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। सदस्यों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए और मेले को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए समय रहते सभी तैयारियां पूर्ण करने का संकल्प लिया।

विधिक जागरूकता शिविर में पीएलवी महलावत ने दी 'मानव तस्करी व व्यावसायिक यौन शोषण' विषय पर जानकारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर अनंत भंडारी के मार्गदर्शन तथा सचिव मोहनलाल सोनी के आदेशानुसार इमानुएल मिशन सी. से. स्कूल, 60 फीट रोड, अलवर में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पीएलवी रेखा महलावत द्वारा 'मानव तस्करी एवं व्यावसायिक यौन शोषण' विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। शिविर में लगभग 70 लाभार्थियों ने भाग लिया। शिविर के दौरान उपस्थित विद्यार्थियों एवं अन्य प्रतिभागियों को बताया गया कि मानव तस्करी एवं व्यावसायिक यौन शोषण के पीड़ितों के लिए भारतीय कानून में व्यापक सुरक्षा एवं सहायता के प्रावधान उपलब्ध हैं तथा विधिक सेवा प्राधिकरण इन पीड़ितों के बचाव, कानूनी सहायता एवं पुनर्वास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीएलवी द्वारा पीड़ितों के अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रत्येक पीड़ित को अनुच्छेद 39 के तहत मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार है। साथ ही पीड़ित की पहचान को गोपनीय रखना कानूनन आवश्यक है तथा उन्हें सुरक्षित आवास हेतु शेल्टर होम्स में रहने की सुविधा भी प्रदान की जाती है। इस अवसर पर प्रमुख कानूनी प्रावधानों जैसे भारतीय न्याय संहिता (BNS)/IPC की धारा 370, अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 (ITPA) तथा पॉक्सो अधिनियम के बारे में भी जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह एवं दहेज निषेध कानूनों के संबंध में जागरूक करते हुए बताया गया कि दहेज लेना एवं देना दोनों अपराध की श्रेणी में आते हैं तथा बाल विवाह एक दंडनीय अपराध है। पीड़ित प्रतिकर योजना के अंतर्गत पीड़ितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की जानकारी देते हुए बताया गया कि डीएलएसए के माध्यम से 'विक्टिम कंपनसेशन स्कीम' के तहत मुआवजा एवं अंतरिम राहत प्राप्त की जा सकती है। शिविर में सहायता हेतु विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई, जिनमें नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, चाइल्डलाइन 1098 तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर के संपर्क नंबर 0144-2940098 एवं 8306002102 शामिल हैं।

अंत में बताया गया कि पीड़ितों के पुनर्वास हेतु सरकार एवं विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कौशल विकास एवं शिक्षा कार्यक्रमों से जोड़कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में पुनः स्थापित किया जाता है।

आरसीए एडहॉक कमेटी - हिंदुस्तान ज़िंक प्रतिनिधियों के मध्य हुई आरसीए के निर्माणाधीन स्टेडियम के सबंध में महत्वपूर्ण चर्चा - डॉ मोहित जसवंत यादव

जयपुर टाइम्स

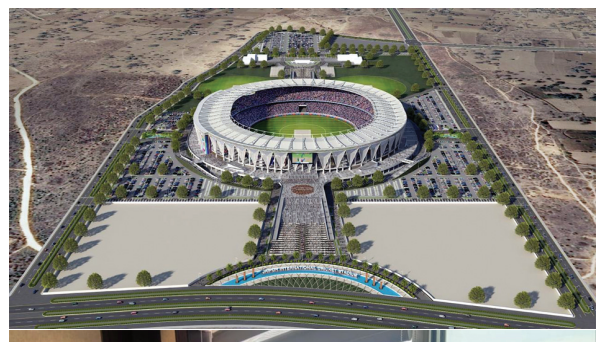

जयपुर(निसं.)। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के अनुसार जयपुर में चौंप स्थित आरसीए के निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की सहयोगी हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने आरसीए एडहॉक कमेटी से मुलाकात कर स्टेडियम के सम्बद्ध में चर्चा की। संयोजक के अनुसार आरसीए कार्यालय, सवाई मान सिंह स्टेडियम में आरसीए एडहॉक कमेटी व हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के मध्य हुई चर्चा में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव, सदस्य आशीष तिवाड़ी, अरिष्ट सिंघवी मौजूद रहे व आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। मीटिंग में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के प्रतिनिधि के तौर पर अनुपम निधि, मंयक सहित अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

डॉ मोहित जसवंत यादव ने बताया की हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने आरसीए के चौंप में निर्माणाधीन अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण को गति प्रदान करने में सहयोग के सम्बन्ध में सकारात्मक रुख अपनाते हुए आरसीए एडहॉक कमेटी से स्टेडियम के निर्माण से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों - स्टेडियम के वर्तमान निर्माण की समीक्षा व गुणवत्ता, स्टेडियम निर्माण के आगामी फेज की रुपरेखा व आरसीए, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड व अन्य सहयोगियों के मध्य आपसी सामंजस्य पर गहन चर्चा की। संयोजक के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी ने हिंदुस्तान जिंक के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया की हम सभी सम्बंधित सहयोगी संस्थाओं की एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन करेंगे जो स्टेडियम के अब तक के निर्माण व व्यय की समीक्षा कर अपनी रिपोर्ट एडहॉक कमेटी को सौंपेगी जिससे स्टेडियम के अगले चरण का निर्माण जल्द से जल्द हो।

भूखण्ड मालिक खाली अपने भूखण्डों में कचरा इकट्ठा नहीं होने देवे

नगर निगम द्वारा सफाई कराए जाने पर भूखण्ड मालिक से वसूल की जाएगी शास्ति

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। शहर की स्वच्छता एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम परिक्षेत्र में स्थित भूखण्ड मालिक अपने खाली भूखण्डों में कचरा, मलबा एवं गंदगी एकत्रित नहीं होने देवे। नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका ने बताया कि शहर की स्वच्छता एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा यह देखा गया है कि अनेक भूखण्ड मालिकों द्वारा अपने-अपने भूखण्डों पर न तो निर्माण कार्य किया गया है। परिणामस्वरूप ऐसे खाली पड़े भूखण्डों में कचरा, मलबा एवं गंदगी एकत्रित हो रही है, जिससे आसपास के क्षेत्र में अस्वच्छता फैल रही है तथा आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने समस्त भूखण्ड मालिकों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने खाली भूखण्डों की यथाशीघ्र सफाई करवाया जाना सुनिश्चित करें, अन्यथा निगम द्वारा स्वयं के स्तर से सफाई करवायी जावेगी, जिसमें होने वाला व्यय का भुगतान भूखण्ड मालिक से वसूल किया जावेगा। उन्होंने बताया कि यदि किसी भूखण्ड मालिक द्वारा निर्माण नहीं करवाया जाता है तथा भूखण्ड में कचरे/झाडियों की सफाई नहीं करवाई जाती है, तो संबंधित के विरुद्ध राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 से संबंधित प्रावधानों के अन्तर्गत विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी। नगर निगम अलवर शहर के समस्त नागरिकों से अपेक्षा करता है कि वे स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

जिला कलक्टर ने 34 एमएलडी एसटीपी व जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। जिला कलक्टर अतुल प्रकाश ने शनिवार को भिवाड़ी में निर्माणाधीन 34 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और जिला अस्पताल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद उन्होंने बीड़ा (BIDA) के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर बीड़ा कि विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। एसटीपी परियोजना स्थल के निरीक्षण के दौरान कार्यकारी संस्था ने जिला कलेक्टर को बताया कि सिविल निर्माण कार्य लगभग 95' पूर्ण हो चुका है और शेष फिनिशिंग कार्य तेजी से किया जा रहा है। जिस पर जिला कलेक्टर ने कार्यकारी संस्था को निर्देश दिए कि 30 अप्रैल से पूर्व सभी कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं, ताकि परियोजना समय पर संचालित हो सके। इसके पश्चात उन्होंने निर्माणाधीन जिला अस्पताल भिवाड़ी का भी निरीक्षण किया और आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल निर्माण कार्य में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। जिला कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का लक्ष्य इन परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण कर आमजन को बेहतर सुविधा एवं चिकित्सा प्रदान करना है। एसटीपी परियोजना के पूर्ण होने से शहर की जल निकासी व्यवस्था सुदृढ़ होगी, जलभराव की समस्या का समाधान होगा तथा पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा। इससे भिवाड़ी में आधुनिक और व्यवस्थित सीवरेज प्रबंधन प्रणाली विकसित होगी, जो दीर्घकालिक रूप से नागरिकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने अधिकारियों को परियोजनाओं के कार्यों पर लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए, ताकि नियमित निरीक्षण एवं समीक्षा के माध्यम से कार्यों को गति दी जा सके। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र, नगर परिषद के अधिकारी अंकित, जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ. सागर अरोड़ा सहित बीड़ा के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक माह में दम तोड़ती सड़क

एनईबी में बिछी विकास नहीं विनाश की परतें

जयपुर टाइम्स

अलवर। (गोपेश कुमार) एनईबी क्षेत्र में कृषि उपज मंडी के पीछे बनी नई सड़क ने निर्माण तंत्र की पोल खोलकर रख दी है। महज एक महीने पहले तैयार हुई यह सड़क जगह-जगह से धंस रही है और डामर उखड़कर बिखर रहा है। सवाल यह है कि क्या यह सड़क बनाई गई थी या सिर्फ बजट 'खपाने' का रास्ता तैयार किया गया था? स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पहले भी दो जगह से धंस चुकी थी, जिसे लीपापोती कर ठीक दिखाने की कोशिश की गई। लेकिन अब फिर वही हाल–दरारें, गड्ढे और धंसाव। हैरानी इस बात की है कि सड़क का काम अभी पूरा भी नहीं हुआ, किनारों पर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाई जा रही हैं और बीच की सड़क पहले ही जवाब दे चुकी है।

कागजों में मजबूत जमीन पर ध्वस्त

यह सड़क सरकारी फाइलों में शायद 'मानक अनुसार' बन चुकी होगी, लेकिन हकीकत में यह निर्माण की गुणवत्ता पर तमाचा है। इतनी जल्दी सड़क का दम तोड़ देना साफ संकेत है कि सामग्री से लेकर निगरानी तक हर स्तर पर गंभीर लापरवाही हुई है।

मिलीभगत की बू जवाबदेही गायब

क्षेत्रवासियों ने सीधे तौर पर ठेकेदार और संबंधित विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बिना मिलीभगत के इतनी घटिया सड़क बनना संभव नहीं। जिम्मेदार अधिकारी फिलहाल चुप्पी साधे हुए हैं, मानो यह समस्या उनकी नहीं, जनता की मजबूरी हो।

जनता पूछ रही-जवाब कौन देगा?

जब नई सड़क का यह हाल है तो आने वाले समय में इसकी स्थिति क्या होगी? क्या हर बार मरम्मत के नाम पर जनता के पैसे की बर्बादी होती रहेगी? लोगों ने प्रशासन से तत्काल जांच और सख्त कार्रवाई की मांग की है।

निःशुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर आज

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। द यंग्स क्लब ऑफ सुजानगढ़ द्वारा रविवार को प्रतापसिंह सिंघी की स्मृति में उनकी धर्म पत्नी कमला देवी सिंघी के सौजन्य से निःशुल्क नेत्र जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया जाएगा। क्लब के सांस्कृतिक सचिव गिरधर शर्मा ने बताया कि उक्त शिविर में प्रख्यात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ अपूर्व कोटिया की ओर से रोगियों की निःशुल्क जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया जाएगा तथा ऑपरेशन लायक रोगियों का चयन किया जाएगा। चयनित रोगियों के निःशुल्क नेत्र लेंस प्रत्यारोपण डॉ अपूर्व कोटिया की ओर से डॉ मोहन जैन आई हॉस्पिटल सुजानगढ़ मे करवाए जाएंगे। द यंग्स क्लब ट्रस्ट सभागार सुजानगढ़ में आयोजित होने वाला उक्त शिविर प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगेगा।

श्री केदारनाथ में लगने वाले 203 दिवसीय भंडारे के लिए रसद सामग्री का पहला ट्रक हुआ रवाना

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। श्री केदारनाथ धाम सेवा समिति की ओर से केदारनाथ में आयोजित होने वाले अलवर भंडारा दिनांक 22 अप्रैल से 11 नवंबर तक चलने वाले भंडारे के लिए सामग्री से भरा पहला ट्रक अलवर से रवाना किया है। इस ट्रक में आवश्यक सामग्री भेजी गई है, जो वहां श्रद्धालुओं की सेवा के लिए उपयोग की जाएगी। समिति द्वारा प्रतिवर्ष केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन और रुकने की सुविधा प्रदान की जाती है समिति के सेवादारों की ओर से रसद सामग्री का पहला ट्रक दोपहर 11:15 बजे रिवाज रिजॉर्ट (कंपनी बाग के सामने से भगवा ध्वज दिखा कर रवाना किया गया। इस अवसर पर श्री बाबा श्री केदारनाथ धाम सेवा समिति के प्रधान जय शिव गुप्ता, श्री केदारनाथ धाम धर्म ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता हुडीवाले, ट्रस्टी जावरमल यादव जीएमसी, आर पी महावर, एस के पारीक विजय सॉल्वेक्स, रवि गर्ग महावीर साड़ी, रजनीकांत गुप्ता, विकास खंडेलवाल, आशीष खंडेलवाल, मनीष तांबी, सुभाष तांबी, लक्ष्मी चंद गुप्ता, महेश मुद्गल, प्रमोद शर्मा, स्काउट लोकेश यादव, ओम प्रकाश यादव, अशोक गुप्ता, कैलाश गुप्ता, गिर्राज खंडेलवाल, जुगल किशोर चौधरी, मनोज विजय, मुकेश विजय, राहुल दीक्षित, तिलकराज मखीजा, हरमीत मेहंदीरत्ता, राकेश शर्मा संयुक्त व्यापार महासंघ, भागीरथ सोनी, नरेंद्र शर्मा, महेश खंडेलवाल, सुरेश यादव ,मनोज वैष्णव, मनीष खंडेलवाल, पं राजेंद्र शर्मा, रमेश सैनी, अनिल चौधरी, गोपालचंद शर्मा, महेश गर्ग गर्ग बॉम्बे इलेक्ट्रिक, अमित गोयल सनप्रिंट, दीपक अग्रवाल, सुरेश गुप्ता नीलकंठ चाय आदि मौजूद रहे।

चूरू-रतनगढ रेलखंड पर ट्रैक गति क्षमता में बढ़ोतरी, 90 कि.मी प्रति घंटा से बढ़कर 110 कि.मी प्रति घंटा की गई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। उत्तर पश्चिम रेलवे ने रेल संचालन को तीव्र एवं सुगम बनाने के प्रयासों के तहत बीकानेर मंडल के चूरू-रतनगढ दोहरी लाइन रेलखंड पर महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल के चूरू-रतनगढ दोहरी लाइन के किलोमीटर 280 से किलोमीटर 325 तक 45 कि.मी रेलखंड की सेक्शनल स्पीड 90 किलोमीटर प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किलोमीटर प्रति घंटा अनुमोदित की गई है। इस रेलखंड में गति क्षमता में बढ़ोतरी सिग्नलिंग प्रणाली के अपग्रेडेशन, विद्युतीकरण, ट्रैक उन्नयन, तकनीकी सुधारों तथा आवश्यक संरचनात्मक कार्यों के होने के फलस्वरूप की गई है। आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित किए जाने से ट्रेन परिचालन अधिक संरक्षित और विश्वसनीय हुआ है। इसके साथ ही इस खंड पर कई गति प्रतिबंधों को भी हटाया गया है। सेक्शन की गति बढ़ने से ट्रेनों के यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिससे यात्रियों को तीव्र और सुगम सफर का लाभ मिलेगा। वहीं संरक्षा मानकों को और मजबूती मिलेगी। साथ ही इस रेल खंड पर लाइनों की क्षमता में वृद्धि के बाद आगामी समय में अधिक ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा। इस कार्य से क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह उपलब्धि उत्तर पश्चिम रेलवे के इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अमृत स्टेशन योजना के तहत सोमेसर रेलवे स्टेशन का कायाकल्पः यात्रियों को उच्च स्तरीय सुविधाएं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। अपने शांत परिदृश्य और जीवंत संस्कृति के लिए जाना जाने वाला सोमेसर एक ऐसा गंतव्य है जो अपेक्षाकृत अनछुआ ही रहा है जिससे यह उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान बन जाता है जो हलचल भरे पर्यटक स्थलों से दूर शांति की तलाश में हैं। वर्तमान में सोमेसर रेलवे स्टेशन पर 10 ट्रेनों का ठहराव दिया गया है। यहां से औसतन 750 यात्री प्रतिदिन यात्रा करते हैं।अमृत स्टेशन योजना के तहत उत्तर पश्चिम रेलवे अजमेर मंडल के सोमेसर स्टेशन अमृत स्टेशन योजना के तहत लगभग तैयार है। सोमेसर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य पूर्ण हो गया है। सोमेसर स्टेशन पर इस परियोजना की कुल लागत लगभग 19.35 करोड़ रुपए है। भारतीय रेलवे द्वारा यात्री सुविधाओं के आधुनिकीकरण के लिए चलाई जा रही महत्वाकांक्षी अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत सोमेसर रेलवे स्टेशन पर इस परियोजना के अंतर्गत स्टेशन के मुख्य भवन का पूरी तरह से नवीनीकरण किया गया है। यात्रियों की सुचारू आवाजाही के लिए मुख्य प्रवेश और निकास द्वारों को भव्य रूप दिया गया है। दिव्यांगजन की सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, स्टेशन पर दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष टैक्टाइल पाथ, रैंप, समर्पित पार्किंग और विशेष शौचालयों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। यात्री सुविधाएं और सर्कुलेटिंग एरिया के अंतर्गत स्टेशन के बाहर के सर्कुलेटिंग एरिया का सौंदर्यीकरण किया गया है। यात्रियों के बैठने के लिए आधुनिक फर्नीचर, डिजिटल सूचना बोर्ड और हाई-लेवल प्लेटफॉर्म के साथ नए शेड स्थापित किए गए हैं। स्टेशन पर लिफ्ट तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से कैटल गार्ड लगाए गए है। इसके अलावा, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और स्टेशन की बाहरी दीवारों को आकर्षक बनाया गया है जिसमें लाइटिंग का कार्य किया भी गया है। सोमेसर स्टेशन के पुनर्विकास का उद्देश्य सोमेसर स्टेशन को आधुनिक बनाना है, जिसमें यात्रियों लिए उच्चस्तरीय सुविधाएं शामिल हैं। इससे न केवल स्थानीय यात्रियों को सुविधा होगी बल्कि क्षेत्र के पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।

इंदरगढ़ टोल प्लाजा के पास पैंथर दिखने से ग्रामीणों में दहशत छाई, वन विभाग को किया सूचित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश के बूंदी जिले में इंदरगढ़ टोल प्लाजा के पास पैंथर के दिखाई देने के बाद आसपास के इलाके के गांव में रहने वाले लोगों के चेहरों पर चिंता की लकीर छा गई है ग्रामीणों ने वन विभाग और पुलिस तथा जिला प्रशासन को पैंथर के बारे में जानकारी दी है सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पैंथर की तलाश की लेकिन खबर लिखे जाने तक पैंथर की वस्तु स्थिति का पता नहीं लग पाया था इसलिए वन विभाग की टीम पैंथर का ट्रेंकुलाइज नहीं कर पाई फिलहाल वन विभाग की टीम इलाके में पैंथर की तलाश कर रही है पुलिस और वन विभाग की टीमों ने इलाके में रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने को कहा है और अपने पालतू पशु तथा बच्चों को घर से बाहर अकेले में नहीं छोड़ने की बात भी कही है वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि गर्मी के मौसम में पानी और भोजन की तलाश में कई बार पैंथर और अन्य जंगली जानवर जंगल छोड़कर जंगल के नजदीक आवासीय बस्तियों में चले आते हैं कई बार पैंथर और अन्य जानवर भटकते हुए जंगल से काफी दूर चले आते हैं गर्मी के मौसम में कई बार वन्य इलाकों में जानवरों के लिए पीने के पानी के लिए बनाई गई होज और इत्यादि जलस्रोत सुख जाते हैं इसकी वजह से वन्य जीव अपनी प्यास को मिटाने के लिए जंगल छोड़ने के लिए मजबूर हो जाते हैं इसलिए जानकार लोगों का कहना है कि वन विभाग को गर्मी के मौसम को देखते हुए जंगल और वन्य इलाकों में पीने के पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी अगर जानवरों को जंगल में ही भोजन और पानी मिल जाता है तो फिर वह जंगल छोड़कर आवासीय बस्तियों की ओर आएगा ही नहीं ।

रोड पर चलते ट्रक में भीषण आग लगी, वाहन चालकों में हड़कंप मचा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश के बीकानेर जिले में कोलायत में बज्जू सांखला फटा के पास सड़क पर चलते ट्रक में अचानक आग लग गई देखते ही देखते देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया जिसकी वजह से ट्रक पूरी तरह से आग की लपटों में गिर गया जिसकी वजह से ट्रक पूरी तरह से जलकर क्षतिग्रस्त हो चुका है हालांकि ट्रक में सवार चालक और खलासी ने तुरंत ट्रक से कूद कर अपनी जान बचा ली लेकिन इस अग्निकांड से ट्रक पूरी तरह से जलकर क्षतिग्रस्त हो गया हालांकि सूचना मिलने के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर भी पहुंची और आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियों ने युद्ध स्तर पर कोशिश की की लेकिन जब तक दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची थी तब तक पूरा ट्रक आग की लपटों के आगोश में आ चुका था जिसकी वजह से दमकल की गाड़ियों को आग बुझाने में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ा बताया जा रहा है कि ट्रक के अगले हिस्से में कहीं ना कहीं वायरिंग में शॉर्ट सर्किट की वजह से ट्रक में आग लगी इसलिए ट्रक के अगले हिस्से में जैसे ही चालक ने धुंआ और आगजनी की लपटे उठती देखी वह तुरंत ट्रक को रोड किनारे सुनसान इलाके में खड़ा करके खुद ट्रक से नीचे कूद गया जिससे उसकी जान बच गई ।

पाठ्यक्रम में बदलाव मामला : मुख्यमंत्री जनता से माफी मांगे, शिक्षा मंत्री को करें बर्खास्त : टीकाराम जूली

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य सरकार द्वारा स्कूली पाठ्यक्रम से राजस्थान इतिहास की चार महत्वपूर्ण पुस्तकों को हटाए जाने के निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश की विरासत पर सुनियोजित हमला करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की यह संकीर्ण मानसिकता राजस्थान की आने वाली पीढ़ी को अपनी जड़ों से काटने का कुत्सित प्रयास है। जूली ने कहा कि भाजपा ने राजस्थान के शौर्य और बलिदान के इतिहास का अपमान कर अपना असली चाल, चरित्र और चेहरा उजागर कर दिया है। डबल इंजन सरकार की यह रिवर्स गियर वाली मानसिकता प्रदेश की आने वाली पीढ़ी को अपनी गौरवशाली विरासत से वंचित करने का षड्यंत्र है जिसे राजस्थान की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। नेता प्रतिपक्ष ने कड़े शब्दों में आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा की यह डबल इंजन सरकार लगातार राजस्थान के गौरवशाली इतिहास

पर प्रहार कर रही है। यह वही धरती है, जिसके कण-कण में साहस, त्याग, बलिदान और वीरता की अमर गाथाएं बसी हैं जो हमें गर्व, स्वाभिमान और पहचान देती हैं। लेकिन भाजपा सरकार आज उसी इतिहास को मिटाने की साजिश रच रही है। पहले वीर बाला काली बाई जैसे प्रेरणादायी अध्याय को पाठ्यपुस्तकों से हटाया गया, फिर राजपूताना के गौरव को गलत ढंग से प्रस्तुत किया गया, और अब सुनियोजित तरीके से हमारे समृद्ध इतिहास को ही पुस्तकों से गायब किया जा रहा है। यह राजस्थान की आत्मा और अस्मिता पर हमला है।राजस्थान के गौरवशाली इतिहास पर इस प्रकार से वार करने वाला बताते हुए जूली ने प्रदेश सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि सत्ता के अहंकार में चूर भाजपा सरकार को यह समझना चाहिए कि इतिहास के पन्नों को बदलने से गौरवशाली अतीत नहीं मिटाया जा सकता। उन्होंने कहा कि मैं इस कृत्य की कठोर शब्दों में निंदा करता हूँ। इस तरह से प्रदेशवासियों की भावनाओ को ठेस पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश से माफ़ी मांगने और शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मांग करता हूँ कि वे प्रदेश की जनता से माफी मांगें और तुरंत प्रभाव से हमारे गौरवशाली इतिहास को पुनः पाठ्यपुस्तकों में शामिल करें। साथ ही बार-बार राजस्थान की अस्मिता से खिलवाड़ करने वाले शिक्षा मंत्री को बर्खास्त किया जाए। विदेशी नागरिकता के मामले में हाई कोर्ट का निर्णय आश्चर्यजनक : प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर राहुल गांधी के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच की ओर से विदेशी नागरिकता के मामले में दर्ज करने का निर्णय देने पर आश्चर्य प्रकट किया और कहा है कि जिन आरोपों को पहले ही उच्च स्तर पर खारिज किया जा चुका है उन आरोपों के खिलाफ दोबारा से इस तरह से सीबीआई जांच करवाना काफी आश्चर्यजनक लग रहा है बार-बार एक ही विषय पर इस तरह से गलत तथ्यों के आधार पर बात को हवा देना ठीक नहीं है टीकाराम जूली ने संसद में महिला आरक्षण बिल को दो तिहाई बहुमत नहीं मिलने पर साफ कहा कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण बिल के समर्थन में है शुरू से ही कांग्रेस पार्टी इस बिल का समर्थन करती रही है लेकिन भाजपा सरकार वर्ष 2011 की जनगणना और परिसीमन के आधार पर ही आरक्षण बिल को लाने की बात कहीं जिससे साफ दिखता है कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ अपने फायदे के लिए अपने राजनीतिक फायदे के लिए यह बिल लेकर आ रही थी महिला आरक्षण बिल तो भाजपा का बहाना था उन्होंने कहा कि संसद में इस बिल का गिर जाना साफ दिख रहा है कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का उल्लंघन बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

महिला आरक्षण बिल के लोकसभा में गिरने पर भाजपा महिला मोर्चा में जोरदार आक्रोश

विपक्ष के खिलाफ विशाल प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल के गिरने पर राजस्थान सहित पूरे देश भर में भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा से जुड़ी कार्यकर्ताओं और नेताओं में जोरदार आगोश छा गया है भाजपा महिला मोर्चा की ओर से शनिवार को पूरे देश भर में प्रदर्शन किया गया दिल्ली में भी भाजपा महिला मोर्चा की ओर से विशाल प्रदर्शन किया गया जिसमें फिल्म अभिनेत्री और सांसद हेमा मालिनी ने भी हिस्सा लिया और राजधानी जयपुर में प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्षता राखी राठौर के नेतृत्व में महिला मोर्चा से जुड़ी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश भाजपा कार्यालय के सामने रोड पर विशाल प्रदर्शन किया और राहुल गांधी के खिलाफ जोरदार किनारे पार्टी की राखी राठौर के अलावा जयपुर नगर निगम की पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल, सौम्या गुर्जर, राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा सहित महिला मोर्चा की अन्य कई वरिष्ठ नेता तथा जयपुर के कोने-कोने से मोर्चा से जुड़ी महिलाओं ने हिस्सा लिया प्रदर्शन में मौजूद राखी राठौर ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि शुक्रवार 17 अप्रैल 2026 का दिन संसद के इतिहास में काले अध्याय के रूप में याद किया जाएगा उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से देश की महिलाओं को उनका हक और सम्मान दिलाना चाहते थे लेकिन 17 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष ने जिस तरह से इस महत्वपूर्ण बिल को गिराने का कार्य किया इस कार्य की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है और अब देश की महिलाओं को यह पता चल गया है कि कांग्रेस पार्टी ने शुरू से ही महिलाओं के प्रति कितनी नकारात्मक सोच अपना रखी है उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को और पूरे विपक्ष को देश की महिलाएं

चुनाव में सबक सिखाएगी प्रदर्शन में मौजूद राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कितनी मेहनत और अथक प्रयासों से महिलाओं के कल्याण और विकास के लिए तथा महिलाओं को उनका हक दिलाने के लिए महिला शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा में लेकर आए लेकिन कांग्रेस पार्टी और उनके सहयोगी दलों ने इस बिल को समर्थन नहीं देकर महिला विरोधी अपनी मानसिकता को प्रदर्शित किया यह इस बिल का अपमान नहीं है बल्कि पूरे देश की महिलाओं का अपमान किया गया है उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में कभी भी महिलाओं को सम्मान नहीं दिया करीब 50 सालों तक देश पर राज करने के बावजूद भी महिलाएं अपने अधिकार और हक के लिए लड़ती रही लेकिन कांग्रेस पार्टी महिलाओं को लेकर जैसे पहले थी वैसे ही आज भी बनी हुई है अगर कांग्रेस पार्टी में महिलाओं के प्रति थोड़ा बहुत भी सम्मान होता तो वह खुद आगे बढ़कर इस बिल को लोकसभा में पास करवाती लेकिन राहुल गांधी प्रियंका गांधी और पूरे विपक्ष में जो रवैया इस बिल को लेकर लोकसभा में अपनाया वह पूरी तरह से उनकी महिला विरोधी मानसिकता को दर्शा रहा है इसलिए अब महिलाएं समझ चुकी है कि कांग्रेस पार्टी कभी भी उनका भला नहीं कर सकते क्योंकि कांग्रेस पार्टी के दिल और दिमाग में महिलाओं का भला करने की बात है ही नहीं ।

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल का गिरना :

कांग्रेस ने एक बार फिर विकास विरोधी चेहरा किया उजागरः मदन राठौड

कांग्रेस पार्टी देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कुचलने का कर रही प्रयासः मदन राठौड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने लोकसभा में हुई बहस के बाद कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर देशहित से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित होने से रोककर अपने विकास विरोधी रवैये को उजागर किया है। उन्होंने विशेष रूप से नारी शक्ति वंदन सहित अन्य अहम बिलों के पारित नहीं हो पाने के लिए कांग्रेस को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया राठौड़ ने कहा कि लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम से जुड़े महत्वपूर्ण संविधान संशोधन बिल का समर्थन नहीं करके कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने देश की करोड़ों महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है। यह केवल एक विधेयक नहीं था बल्कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी दिलाने का एक सशक्त माध्यम था। राठौड़ ने कहा कि इस बिल का पारित होना देश की आधी आबादी को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होता, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के चलते इस अवसर को समाप्त कर दिया। विपक्ष का बिल के खिलाफ वोटिंग करना यह दर्शाता है कि उनकी प्राथमिकताओं में महिला सशक्तिकरण नहीं, बल्कि राजनीति ही सर्वोपरि है। राठौड़ ने कहा कि ये विधेयक महिलाओं के सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम थे, लेकिन कांग्रेस ने राजनीतिक स्वार्थ के चलते इन पर

अनावश्यक अड़चनें पैदा कीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का इतिहास रहा है कि वह संसद में रचनात्मक सहयोग देने के बजाय व्यवधान उत्पन्न कर विकास कार्यों को बाधित करती रही है, राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने इससे पहले भी धारा 370, तीन तलाक,राम मंदिर निर्माण, सर्जीकल स्ट्राइक, आपरेशन सिंदूर, नक्शलवाद खात्मा आदि का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि आज देश नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेज गति से प्रगति कर रहा है और सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में कांग्रेस का यह रवैया न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि यह दर्शाता है कि वह देश के विकास को लेकर गंभीर नहीं है। इतना ही नही कांग्रेस ने पहले भी कई महत्वपूर्ण बिलों चाहे वे आर्थिक सुधार से जुड़े हों, सामाजिक उत्थान से या राष्ट्रीय सुरक्षा से, पर बाधा डालने का काम किया है। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस की राजनीति केवल विरोध के लिए विरोध तक सीमित रह गई है। उन्होंने प्रदेश की जनता से आह्वान किया कि वे कांग्रेस के इस व्यवहार को समझें और ऐसी नकारात्मक राजनीति को नकारें। भाजपा सदैव विकास, सुशासन और जनकल्याण के एजेंडे पर काम करती रही है और आगे भी करती रहेगी। मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा संसद में जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रहेगी और देश के विकास को किसी भी कीमत पर रुकने नहीं दिया जाएगा।

चाइनीज मांझा के खिलाफ पुलिस का पूरे शहर में सर्च अभियान, भारी मात्रा में दुकानदारों से चाइनीज मांझा बरामद

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। बीकानेर में अभी हाल ही में एक बच्चे की चाइनीज मांझा से गर्दन कट गई थी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी यह बच्चा अपने पिता के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहा था तभी देशनोक पुलिया के पास चाइनीस मांझा उसकी गर्दन में फंस गया जिससे उसकी गर्दन हट गई उसे तुरंत घायल अवस्था में अस्पताल में भी पहुंचाया गया था लेकिन इसको बचाया नहीं जा सका इसके बाद पुलिस और जिला प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए थे क्योंकि चाइनीज मांझा प्रतिबंध है लेकिन इसके बावजूद भी बीकानेर शहर में चाइनीस मांझा चोरी छुपे दुकानदारों की ओर से बचा जा रहा है जो स्थानीय लोगों की जिंदगी के लिए काफी खतरा बन गया इसीलिए बीकानेर जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से बीकानेर शहर में चारों तरफ छोटे और बड़े बाजारों में यहां तक की गलियों में भी स्थित दुकानों पर सर्च अभियान को अंजाम दिया जा रहा है बीकानेर शहर ही नहीं बल्कि पूरे जिले में जिला प्रशासन और पुलिस के निर्देश पर पतंग की

दुकानों पर छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है जिसमें भारी मात्रा में चाइनीस मांझा बरामद भी किया गया है जानकारी के अनुसार बीकानेर में पतंग उत्सव का आयोजन होने वाला है ऐसे में पतंग उत्सव से पहले प्रशासन और पुलिस की ओर से जिलेभर में पतंग डोर की दुकानों पर चाइनीस मांझा को लेकर सर्च अभियान को अंजाम दिया जा रहा है ताकि फिर से कोई व्यक्ति या बच्चा चाइनीस मांझा से मौत के मुंह में ना जा सके ।

आरएएस 2024 का रिजल्ट जारी : बाड़मेर के दिनेश बिश्नोई टॉपर, प्रदेश को मिलेंगे 1096 अधिकारी

जयपुर राजस्थान प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा 2024 का रिजल्ट शनिवार को जारी कर दिया गया इस तरह से प्रदेश को अब बहुत जल्दी ही 1096 राजस्थान प्रशासन सेवा के अधिकारी मिलने वाले हैं शनिवार को जारी परीक्षा परिणाम में बाड़मेर के दिनेश बिश्नोई ने टॉपर किया है जबकि जैसलमेर के वीरेंद्र चरण दूसरे नंबर पर रहे हैं बड़ी बात यह है कि प्रदेश की भजनलाल सरकार ने सिर्फ 17 महीने की अवधि में ही राजस्थान प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया को पूरी ईमानदारी और पारदर्शक ढंग से संपादित करके प्रदेश के युवाओं का और प्रदेश की जनता का भरोसा अपने प्रति और मजबूत किया है क्योंकि प्रदेश की पिछली कांग्रेस पार्टी की सरकार में आयोजित हुई राजस्थान प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा कई मामलों को लेकर चर्चा में रही थी लेकिन राजस्थान प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा 2024 के आयोजन से लेकर परीक्षा परिणाम और इंटरव्यू तक की प्रक्रिया पर किसी ने भी किसी भी तरह का कोई सवाल खड़ा नहीं किया और बहुत ही कम समय में परीक्षा परिणाम जारी करके चयनित युवाओं और उनके परिजनों के चेहरों पर गजब की चमक लाकर रख दी है जानकारी के अनुसार राजस्थान को अब जल्दी ही 196 नए प्रशासनिक अफसर मिलने वाले हैं इसमें राज्य सेवा के 428 और अधीनस्थ सेवा के 668 अधिकारी होंगे उल्लेखनीय है कि पिछले साल फरवरी में प्रारंभिक और जून में मेंस परीक्षा कराने के बाद आयोग ने 1 दिसंबर से चरणबद्ध तरीके से अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की शुरुआत की थी 196 पदों के लिए 9 चरण में साक्षात्कार की प्रक्रिया चली थी जो अप्रैल को ही खत्म हुई इसके बाद अब आयोग ने रिजल्ट जारी कर दिया है ।

कड़ी मेहनत और जज्बे से हिमांशु अवस्थी को मिली मंजिल, आरपीएस बनने की तमन्ना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से शनिवार को राजस्थान प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा 2024 में 113वीं रैंक हासिल करने वाले हिमांशु अवस्थी ने आखिरकार अपनी कड़ी मेहनत और जज्बे से अपना और अपने माता-पिता का सपना पूरा किया, हिमांशु से ज्यादा हिमांशु के माता-पिता इन असीम खुशी के पल का बेताबी से इंतजार कर रहे थे क्योंकि उन्होंने अपने बेटे को रात-रात भर कई सालों से रोजाना पढ़ते हुए अपनी आंखों से देखा उन्होंने उन निराशा से भरे हुए दिनों को भी अपनी आंखों से देखा और महसूस किया था जब उनके लाडले ने रात-रात भर कई कई घंटे तक पढ़ाई की लेकिन भारतीय प्रशासनिक सेवा की परीक्षा में दो बार इंटरव्यू तक पहुंचाने के बाद भी सिलेक्शन नहीं हुआ इसके बावजूद भी जब उन्होंने अपने लाडले

को दुगने उत्साह और जज्बे के साथ अपने फ्यूचर को ब्रिलिएंट बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते देखा तो उन्हें यह एहसास जरूर हो गया था कि एक न एक दिन उनके बेटे को उसकी कड़ी मेहनत और परिश्रम का फल जरूर मिलेगा क्योंकि ईश्वर इतना निर्दय नहीं है इसीलिए शनिवार को जब उन्हें यह पता चला कि उनके बेटे का राजस्थान प्रशासनिक सेवा में सिलेक्शन हो गया है तो उनकी आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े क्योंकि इस खास दिन का ही वे कई दिनों से बेताबी से इंतजार कर रहे थे जानकारी के अनुसार हिमांशु की पांचवी क्लास तक की पढ़ाई दौसा जिले के लोटवाड़ा गांव में ही संपन्न हुई बाद में उनके पिता जो सरकारी सेवा में थे जयपुर में शिफ्ट हो गए और यहां उन्होंने अपना आशियाना बना लिया हिमांशु के पिता वर्ष 2025 में सरकारी सेवा से सेवानिवृत हुए थे हिमांशु ने क्लेट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इंस्टिट्यूट ऑफ़ लॉ निरमा युनिवर्सिटी अहमदाबाद से विधि की पढ़ाई कंप्लीट की इसके बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा में दो बार शामिल हुए दोनों बार इंटरव्यू तक भी पहुंचे लेकिन सिलेक्शन नहीं हो पाया इसके बावजूद भी हिमांशु ने हिम्मत नहीं हारी बल्कि दुगने उत्साह और जोश के साथ अपने विजन और संकल्प को पूरा करने के लिए रात-रात भर जगकर पढ़ाई करते रहे, हिमांशु अपने करियर को लेकर और अपने परिवार को आर्थिक संबल देने को लेकर काफी सीरियस थे इसलिए उन्होंने राजस्थान हाई कोर्ट में वकालत की प्रैक्टिस शुरू की यहां भी इनका सफर बहुत ही शानदार तरीके से चल रहा था अल्प समय में ही इन्होंने बकायदा अपना खुद का कार्यालय खोल लिया वकालत में भी खुद को साबित करते रहे लेकिन मन में प्रदेश के लोगों की ज्यादा से ज्यादा सेवा करने का भाव जो कॉलेज के दिनों से ही पैदा हो गया था वह अब तक दिल से मिटा नहीं था इसलिए राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा में बैठने का निश्चय किया इसके लिए हिमांशु दिन में राजस्थान हाई कोर्ट में वकालत करते और रात को कई घंटे तक राजस्थान प्रशासन सेवा भर्ती परीक्षा की तैयारी करते यह उनका पहला ही परीक्षा का चांस था और पहले ही चांस में इन्होंने सफलता हासिल करके अपने उस सपने को साकार किया जिसमें लोगों की ज्यादा से ज्यादा सेवा करने का भाव उनके दिल में बहुत पहले ही बस गया था हालांकि हिमांशु ने बातचीत में बताया कि उनके दिल की तमन्ना राजस्थान पुलिस सर्विस ज्वाइन करने की है अब देखने वाली बात यह है कि जो रैंक इन्हें मिला है उसमें उन्हें प्रशासनिक सेवा में रखा जाता है या फिर पुलिस सर्विस में लेकिन इतना जरूर है कि हिमांशु कि इस सफलता को देखकर यह जरूर कहा जा सकता है कि असफलता में ही सफलता छुपी रहती है इसलिए सफल होने के लिए इंसान को असफल होना भी जरूरी है क्योंकि असफल होने पर ही इंसान को यह पता चलता है कि सफल किस तरह से होना है हिमांशु दो बार भारतीय प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा में इंटरव्यू तक पहुंचाने के बाद भी सिलेक्ट नहीं हो पाए।

सम्पादकीय

कर्मचारी की पीटकर ले ली जान; आपा क्यों खो रहे लोग

यह समझना मुश्किल है कि पिछले कुछ समय से लोगों के भीतर सहिष्णुता और धीरज में हो रही तेज गिरावट का कारण क्या है। छोटी-सी बात पर लोगों का उग्र हो जाना और आए दिन किसी न किसी की हत्या की घटनाएं अब गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही हैं। हरियाणा के बल्लभगढ़ के एक सामुदायिक केंद्र के पास मधुशाला में बुधवार देर रात एक कर्मचारी को महज इस कारण पीटा गया, क्योंकि उसने शराब परोसने से इनकार कर दिया था। दरअसल, एक विवाह समारोह में आए बाराती शराब पीने वहां गए थे, जहां समय ज्यादा हो जाने की वजह से कर्मचारी ने मना कर दिया। कायदे से बारातियों को लौट जाना चाहिए था, लेकिन वे आपा खो बैठे और उस कर्मचारी की पीट-पीट कर हत्या कर दी। न पुलिस और कानून का खौफ और न ही अपने भीतर समझ पाने की चेतना कि इस तरह की मामूली बात पर क्या एक अपराध को अंजाम देना जरूरी था? यह घटना तेजी से बदलते समाज की एक बानगी है, जहां लोगों को अब किसी की सुविधा-असुविधा का खयाल रखना जरूरी नहीं लगता और न ही वे इनकार सुनना चाहते हैं। यह विचित्र है कि कुछ लोग किसी दोस्त या परिजन की शादी की खुशी में शामिल होने के मौके को अपनी कुंठा को अभिव्यक्त करने की सुविधा मान लेते हैं। सवाल है कि बारात में आए लोगों को हर हाल में अपनी सुविधा के वक्त शराब उपलब्ध होने की जरूरत क्यों महसूस होती है। इसके पीछे कौन-सा मनोविज्ञान काम काम करता है कि अगर उनकी यह इच्छा पूरी नहीं होगी, तो वे किसी निर्दोष व्यक्ति की हत्या तक कर दे सकते हैं? क्या सोचने-समझने का यह ढांचा लोगों को यह भी समझने से वंचित नहीं कर रहा है कि वे इस भाव का शिकार होकर अपराध और सामान्य व्यवहार तक में फर्क कर पाने में असमर्थ हो जाते हैं? अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि ऐसी स्थिति में लोग कानून को भी ताक पर रखने से गुरेज नहीं करते। जरूरत इस बात की है कि खुशी के मौके पर मनमर्जी करने के शौक पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन कानूनी तौर पर सख्त उपाय करे और समाज अपने स्तर पर सोचे। चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चल रहे चुनावों में मतदाताओं को रिझाने के लिए चुनावों में पैसा और शराब का सबसे ज्यादा इस्तेमाल की कोशिश हो रही है। चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि चुनावी प्रदेशों में प्रवर्तन अधिकारियों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 650 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध नकदी, मादक पदार्थ और शराब जब्त की है। चुनाव आयोग ने जहां पश्चिम बंगाल में मतदाताओं के लिए सबसे अधिक शराब, तो वहीं दूसरी ओर तमिलनाडु में पैसे की जब्ती की है।

सरकारी नौकरी के भरोसे बैठे युवा, अब दिशा बदलने का समय है!

इस तैयारी में अभ्यर्थी न केवल अपना समय और संसाधन खोता है, बल्कि वह उस व्यावहारिक अनुभव से भी वंचित रह जाता है, जिसे वह किसी अन्य क्षेत्र में प्राप्त कर सकता था। वर्षों तक एक ही स्थिति में सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से व्यक्ति अनजाने में अपने प्रोफेशनल विकास का गला घोंट देता है। 'अब इतने साल लगा दिए, छोड़ें कैसे? की भावना से 'एक साल और लगा लो' की सोच व्यक्ति को ऐसी स्थिति में पहुँचा देती है, जहाँ वह न पूरी तरह तैयारी कर पाता है और न ही आगे बढ़ पाता है। इतना ही नहीं, सालों तक 'इंतज़ार' करने की यह मानसिकता व्यक्ति की निर्णय लेने और जोखिम उठाने की क्षमता को क्षीण कर देती है, जिससे वे बाद में निजी क्षेत्र में शुरुआत करने से भी कतराने लगते हैं। परिणामस्वरूप, घर की आर्थिक स्थिति सुधरने के बजाय कई बार और अधिक खराब हो जाती है। एग्रीगेट लेवल पर यह देश के लिए एक भयावह स्थिति है, जहाँ करोड़ों युवाओं की ऊर्जा और समय व्यर्थ हो जाते हैं जबकि इसका लाभ केवल मुट्ठी भर लोगों को ही मिल पाता है। ऐसी परिस्थितियों में काउंसलिंग और वैकल्पिक करियर मार्गदर्शन लेना व्यक्ति को चुनौतियों का सामना करने का साहस प्रदान कर सकता हैं। सफलता का अर्थ केवल सरकारी नौकरी पाना नहीं है; ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी छोड़कर अपनी मंज़िल को पुनर्परिभाषित

देश में हर वर्ष लाखों होनहार युवा सरकारी नौकरी की तैयारी में उतरते हैं। अपने जीवन का सबसे ऊर्जावान समय, 20 से 30 साल की आयु इसी तैयारी में लगा देने के बावजूद, लगभग 98 प्रतिशत युवाओं को अंततः हताशा हाथ लगती है। यह अंधी दौड़ एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करती है, का क्या वाकई सरकारी नौकरी ही एकमात्र सुरक्षित भविष्य है?

सच यह है कि भारत में कार्यबल का केवल 2 से 3 प्रतिशत हिस्सा ही सरकारी नौकरियों में है, जबकि शेष 97 प्रतिशत लोग निजी और असंगठित क्षेत्रों से रोजगार पाते हैं। इसके बावजूद देश का अधिकांश युवा इसी सीमित अवसर के पीछे अपनी जवानी खपा देता है, जबकि वास्तविकता यह है कि सबको सरकारी रोजगार मिलना संभव ही नहीं है, न आज, न कभी भी।

दुनिया के विकसित देशों में देखें, तो वहाँ सरकारी नौकरशाही अपेक्षाकृत छोटी और कुशल होती है, और रोजगार का असली इंजन निजी क्षेत्र होता है। लेकिन भारत जैसे युवा देश में अधिकांश युवा अपना समय और संसाधन केवल सामान्य ज्ञान के विषयों को रटकर उगलने में जाया कर देते हैं। सरकारी नौकरी में चयन की दर बेहद कम होने के कारण कोचिंग इंडस्ट्री भी 'ज्ञान' को सिलेक्शन के विकल्प के रूप में बेचती है, लेकिन ज्ञान होना और उस ज्ञान से रोटी कमा पाना दो बिल्कुल अलग बातें हैं; ऐसे में अपना सब कुछ दांव पर लगाने के बावजूद जब सफलता नहीं मिलती, तो वह समय बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कौशल एवं रोजगार का अभाव, जिम्मेदारियों का दबाव व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को ख़राब कर देता है। कई शोध बताते हैं कि लंबे समय तक बेरोजगारी और अनिश्चितता में रहने वाले युवाओं में अवसाद और चिंता की दर सामान्य से कहीं अधिक होती है।

अक्सर प्रतियोगी परीक्षाओं की लंबी तैयारी में अभ्यर्थी के साथ-साथ उसके परिवार को भी एक अदृश्य सामाजिक दबाव झेलना पड़ता है।

इस तैयारी में अभ्यर्थी न केवल अपना समय और संसाधन खोता है, बल्कि वह उस व्यावहारिक अनुभव से भी वंचित रह जाता है, जिसे वह किसी अन्य क्षेत्र में प्राप्त कर सकता था। वर्षों तक एक ही स्थिति में सामाजिक रूप से अलग-थलग रहने से व्यक्ति अनजाने में अपने प्रोफेशनल विकास का गला घोंट देता है। 'अब इतने साल लगा दिए, छोड़ें कैसे? की भावना से 'एक साल और लगा लो' की सोच व्यक्ति को ऐसी स्थिति में पहुँचा देती है, जहाँ वह न पूरी तरह तैयारी कर पाता है और न ही आगे बढ़ पाता है। इतना ही नहीं, सालों तक 'इंतज़ार' करने की यह मानसिकता व्यक्ति की निर्णय लेने और जोखिम उठाने की क्षमता को क्षीण कर देती है, जिससे वे बाद में निजी क्षेत्र में शुरुआत करने से भी कतराने लगते हैं। परिणामस्वरूप, घर की आर्थिक स्थिति सुधरने के बजाय कई बार और अधिक खराब हो जाती है।

एग्रीगेट लेवल पर यह देश के लिए एक भयावह स्थिति है, जहाँ करोड़ों युवाओं की ऊर्जा और समय व्यर्थ हो जाते हैं जबकि इसका लाभ केवल मुट्ठी भर लोगों को ही मिल पाता है।

ऐसी परिस्थितियों में काउंसलिंग और वैकल्पिक करियर मार्गदर्शन लेना व्यक्ति को चुनौतियों का सामना करने का साहस प्रदान कर सकता हैं।

सफलता का अर्थ केवल सरकारी नौकरी पाना नहीं है; ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी छोड़कर अपनी मंज़िल को पुनर्परिभाषित किया और अन्य क्षेत्रों में शिखर तक पहुँचे, जैसे–गीता गोपीनाथ, विवेक बिंद्रा, रवीश कुमार, खान सर, अनुभव सिंह बस्सी आदि। सरकारें खुद अब आउटसोर्सिंग और कॉन्ट्रैक्ट के माध्यम से कार्य करवा रही हैं। भविष्य में सरकारी पद मुख्यतः नीति-निर्माण तक सीमित रह जाएंगे, जबकि क्रियान्वयन निजी क्षेत्र करेगा।

जितना समय और संसाधन एक युवा सरकारी नौकरी की तैयारी में खर्च करता है, उतने में वह अपनी पसंद की स्किल सीखकर कमाई शुरू कर सकता है।

नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 80 प्रतिशत ग्रैजुएट आवश्यक कौशल के अभाव में रोजगार के योग्य नहीं हैं। यह विडंबना है कि जहाँ रोजगार के अवसर हैं, वहाँ प्रशिक्षित लोगों की कमी है, और जहाँ लाखों लोग कतारों में खड़े हैं, वहाँ पद सीमित हैं। भारतीय युवा शिक्षित तो हो रहे हैं, लेकिन सक्षम नहीं बन पा रहे हैं।

आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है, जहाँ बदलते आर्थिक परिदृश्य और तकनीकी क्रांति के बीच ड्रोन, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स जैसी उभरती तकनीकें रोजगार के अनेक नए अवसर सृजित कर रही हैं; जैसे–प्रॉम्प्ट इंजीनियर, ऑटोमेशन एजेंट डिज़ाइनर, सिंथेटिक मीडिया क्रिएटर, ड्रोन एवं रोबोटिक्स मेंटेनेंस इंजीनियर, डिजिटल डिटॉक्स कंसल्टेंट, डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ तथा नवीकरणीय ऊर्जा तकनीशियन आदि। ऐसे परिवेश में व्यक्ति की आय उसकी डिग्री पर नहीं, बल्कि उसकी डिलीवरी (कार्य-कुशलता) और परफॉर्मेंस (प्रदर्शन) पर निर्भर करती है।

भारत जैसे देश में, जहाँ इतनी आवश्यकताएँ हैं, फिर भी पर्याप्त रोजगार नहीं खोजा जा रहा है। इसका एक मुख्य कारण हमारी शिक्षा प्रणाली है, जो युवाओं में खोज, नवाचार और उद्यमिता की भावना विकसित नहीं कर पा रही है।

जर्मनी और जापान जैसे देशों में स्कूल स्तर से ही व्यावसायिक-प्रशिक्षण को मुख्यधारा की शिक्षा में शामिल कर युवाओं को कम उम्र में ही आत्मनिर्भर और उत्पादक बना दिया जाता है। लेकिन भारतीय युवा आज भी पारंपरिक रोजगार विकल्पों तक सीमित हैं। परंपरागत व्यवसायों से हर हाथ को काम मिलना संभव नहीं है, इसलिए युवाओं को नए क्षेत्रों में अवसर खोजने पड़ेंगे। सरकार आश्वासन तो दे सकती है, लेकिन सबको रोजगार नहीं दे सकती। सरकार की भूमिका 'रोजगार बनाने वाला माहौल पैदा करना है, जैसे आसान ऋण, क्रेडिट गारंटी, विद्यालय स्तर से उद्यमिता शिक्षा देना तथा निजी क्षेत्र के रोजगार को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाना। इस दिशा में स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्किल इंडिया और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जैसी कई पहलें शुरू की गई हैं, जिन्हें और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाया जा सकता है।

निष्कर्ष

केवल सरकारी नौकरी बेरोजगारी की दवा नहीं है। युवाओं को स्वयं जिम्मेदारी लेते हुए अपनी बुद्धि को फिजूल के विवादों में लगाने के बजाय नए अवसरों की खोज में लगाना चाहिए–तभी समृद्धि का सूरज निकलेगा।

Quote- केवल सरकारी नौकरी ही सुरक्षित भविष्य नहीं है; कौशल, उद्यमिता और नए अवसरों की ओर बढ़कर ही युवा आत्मनिर्भर और सफल बन सकते हैं।

लेखक परिचय:
श्रीनिवास चौधरी
एजुकेटर एवं काउंसलर (जयपुर)

कहानी

बिल्ली के गले में घंटी

बरकत फ़्लोर मिल चूहों की एक क़दीम और वसीअ रियासत थी। गंदुम की बोरियों के साथ सूखी रोटियों की बोरियाँ भी मौजूद होती थीं ताकि दोनों को मिला कर आटा तैयार किया जा सके और यूँ हाजी बरकत अली की आमदनी और लोगों के पेट के अमराज़ में इज़ाफ़ा होता रहे। जब गंदुम और सूखी रोटियों की नई खेप आती तो चूहों की ईद हो जाती। जब सेर हो कर खाने के बाद उनके पेट लटक जाते तो वो नए-नए ख़्वाब देखने लगते और इस क़िस्म की तक़रीरें होतीं... एक बुज़ुर्ग चूहा अपनी दाढ़ी खुजाते हुए बोले, 'मेरे अज़ीज़ हम-वतनों, आख़िर हम कब तक चूहेदानों और बिल्ली का शिकार होते रहेंगे। आख़िर कब वो इन्क़िलाब आएगा जब हर गोदाम, हर बावर्ची-ख़ाना और हर परचून की दुकान पर हमारी हुकूमत होगी? ' अगला नौजवान चूहा दोनों टाँगों पर खड़ा हो कर पहलवानों की तरह रान पर हाथ मारते हुए, 'इस बार ना-मुराद बिल्ली मुझे नज़र आ जाए फिर देखना उसका क्या हश्र करता हूँ। ज़ुल्म सहना भी ज़ालिम की हिमायत है। 'अगला ज़ईफ़ चूहा खाँसते हुए, 'हम सदियों से बिल्ली के मज़ालिम से पीछा छुड़ाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं एक बार फिर कहता हूँ, अगर हम बिल्ली के गले में घंटी बाँधने में कामयाब हो जाएँ तो हम हमेशा के लिए महफ़ूज़ हो जाएँगे। बिल्ली के गले में घंटी बाँधने की तदबीर वाक़ई चूहों की क़ौम में एक अरसे से गर्दिश कर रही थी। इस सिलसिले में कुछ संजीदा और इन्क़िलाबी इक़दामात भी हुए लेकिन कामयाबी हासिल न हो सकी। एक बार चंद नौजवान वो घंटा घसीट लाए जो स्कूल में लकड़ी के हथौड़े से बजाया जाता है। नतीजा ये हुआ कि वो भारी थाली नुमा घंटा सिपाहियों से सँभल न सका और दो-तीन उसी के नीचे दब कर रहलत फ़र्मा गए। दूसरी बार कुछ कम-फ़हम नौजवान किसी बैल की घंटी घसीट लाए। उसके घसीटने में ऐसा शोर मचा कि सोई हुई बिल्लियाँ जाग गईं और यूँ तमाम इन्क़िलाबी बिल्लियों के हत्थे चढ़ गए। जोजो एक निहायत चालाक, शरीर और निडर चूहा था। वालदैन के बार-बार मना करने के बावजूद वो चूहे-दान में लगा मक्खन पनीर या डबल-रोटी का टुकड़ा साफ़ निकाल लाता और चूहे-दान का मुँह हैरत से खुले का खुला रह जाता। जोजो भी अपने बुज़ुर्गों के दावे और अहमक़ाना तक़रीरें सुनता रहता। आख़िर उसने बिल्ली के गले में घंटी बाँधने का बीड़ा उठाया। उसने अपने तीनों दोस्तों चूँचूँ, गोगो और चमकू को अपनी स्कीम तफ़सील से समझाई और तंबीह कर दी कि इस स्कीम की इत्तेला किसी बुज़ुर्ग को न दी जाए।

चमकू का घर बोतल-गली की मशहूर दुकान मक्का इत्र हाऊस में था। चारों दोस्त वहाँ से एक ख़ूबसूरत सुनहरी इत्र की ख़ाली शीशी लेकर आए और उसे साफ़ करके एक मख़मल की डिबिया में रख दिया। अगले दिन चारों दोस्त वो शीशी लेकर फूलबाग पहुँचे। एक क्यारी में चम्बेली के फूल आँखें मूँदे सो रहे थे। जोजो ने उनकी नाज़ुक गर्दन हिला कर कहा, 'चम्बेली बहन, माफ़ करना हम आपकी नींद में मुख़िल हुए। आपकी बहुत मेहरबानी हो अगर आप अपनी ख़ुशबू के चंद क़तरे इनायत कर दें। '

चम्बेली ने मुस्कुराते हुए चंद क़तरे शीशी में टपका दिए।

इसके बाद चारों दोस्त गुलाब के पास गए जो खिलखिला कर बुलबुल से बातें कर रहा था। चूँचूँ ने गुलाब को सलाम कर के कहा, 'फूलों के राजा, अगर आप हमें अपनी ख़ुशबू के चंद क़तरे दे दें तो आपका बहुत एहसान होगा। '

'अरे हमारा तो काम ही ख़ुशबू बाँटना है। भर लो शीशी।' गुलाब ने हंसकर कहा...

यूँ चारों दोस्त बेला, चम्पा, रात की रानी, दिन का राजा के पास भी गए और उनकी ख़ुशबुओं के क़तरे भी हासिल कर लिए और सुनहरी शीशी पत्तों में छिपा दी।

बिल्लियों ने अपने-अपने इलाक़े बाँट रखे थे और बरकत फ़्लोर मिल पर मानो चम्पा की हुकूमत थी।

न्यायपालिका की विश्वसनीयता का प्रश्न

संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता, राजनीतिक सहमति का अभाव और लंबी प्रक्रियात्मक जटिलता के कारण महाभियोग लगभग अप्राप्य प्रक्रिया बनकर रह गया है। अभी तक महाभियोग के जरिए उच्चतर न्यायपालिका के किसी भी न्यायाधीश को हटाया नहीं जा सका है, जबकि कई न्यायाधीश कदाचार के गंभीर आरोपों से घिरे रहे। अधिकांश मामलों में यही देखने को मिला है कि जैसे ही महाभियोग की संभावना प्रबल होती है, आरोपों से घिरा संबंधित न्यायाधीश त्यागपत्र देकर प्रक्रिया को निष्प्रभावी कर देते हैं और यहीं से उत्तरदायित्व का संकट उत्पन्न होता है। भारतीय न्यायिक इतिहास में इसके कई उदाहरण मिलते हैं, जो इस समस्या की संरचनात्मक प्रकृति को उजागर करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति वी. रामास्वामी के विरुद्ध 1990 के दशक में महाभियोग प्रस्ताव

भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा ने अपने खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया शुरू होने के बीच त्यागपत्र दे दिया। उनके घर करोड़ों के अधजले नोट मिले थे और सुप्रीम कोर्ट की एक समिति ने उन्हें दोषी पाया था। उनके त्यागपत्र देने से अब उनके ऊपर महाभियोग की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ेगी। हो सकता है कि अब उनके ऊपर कोई मुकदमा भी नहीं चले। त्यागपत्र के इस घटनाक्रम ने संविधान के भरोसे, उसकी बेचारगी और आम नागरिक के विश्वास से जुड़े गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। हमारे पास इस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं कि जिस अपराध के लिए आम आदमी से मुख्यमंत्री तक को जेल जाना पड़ता है, आखिर उसी तरह के अपराध के लिए उस संस्था का जिम्मेदार अधिकारी, जिसकी सत्यनिष्ठा की हम कसमें खाते हैं, वह केवल त्यागपत्र देकर दोषमुक्त कैसे हो सकता है? यह घटनाक्रम केवल एक व्यक्ति या पद तक सीमित नहीं है। यह उस संस्थागत विश्वास से जुड़ा प्रश्न है, जिसके आधार पर आम जन न्यायपालिका को न्याय का अंतिम, निष्पक्ष और नैतिक मंच मानता है। जब इस मंच की निष्पक्षता और उत्तरदायित्व पर प्रश्नचिह्न लगता है तो उसका प्रभाव पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर पड़ता है। महाभियोग ही न्यायाधीशों के विरुद्ध कार्रवाई का एकमात्र संवैधानिक माध्यम है। यह प्रक्रिया जानबूझकर कठिन बनाई गई, ताकि न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर अनावश्यक राजनीतिक हस्तक्षेप न हो, किंतु व्यवहार में यही जटिलता कई बार जवाबदेही के मार्ग में बाधा बन जाती है। संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता, राजनीतिक सहमति का अभाव और लंबी प्रक्रियात्मक जटिलता के कारण महाभियोग लगभग अप्राप्य प्रक्रिया बनकर रह गया है। अभी तक महाभियोग के जरिए उच्चतर न्यायपालिका के किसी भी न्यायाधीश को हटाया नहीं जा सका है, जबकि कई न्यायाधीश कदाचार के गंभीर आरोपों से घिरे रहे। अधिकांश मामलों में यही देखने को मिला है कि जैसे ही महाभियोग की संभावना प्रबल होती है, आरोपों से घिरा संबंधित न्यायाधीश त्यागपत्र देकर प्रक्रिया को निष्प्रभावी कर देते हैं और यहीं से उत्तरदायित्व का संकट उत्पन्न होता है। भारतीय न्यायिक इतिहास में इसके कई उदाहरण मिलते हैं, जो इस समस्या की संरचनात्मक प्रकृति को उजागर करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति वी. रामास्वामी के विरुद्ध 1990 के दशक में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, किंतु लोकसभा में आवश्यक समर्थन न मिलने के कारण वह पारित नहीं हो सका। इसका कारण यह रहा कि कई राजनीतिक दलों ने क्षेत्रीयता का सवाल उठाकर उन्हें महाभियोग की प्रक्रिया से हटाने के प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया। इसके पश्चात कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस सौमित्र सेन के विरुद्ध राज्यसभा ने महाभियोग प्रस्ताव पारित कर दिया था, जो भारतीय संसदीय इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना थी, किंतु लोकसभा में अंतिम निर्णय से पूर्व ही उनके त्यागपत्र देने से पूरी प्रक्रिया अधूरी रह गई। इसी प्रकार कर्नाटक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस पी. दिनकरन ने भी गंभीर आरोपों के बीच पद त्याग कर दिया, जिससे उनके विरुद्ध चल रही महाभियोग की कार्यवाही स्वतः समाप्त हो गई। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि त्यागपत्र कई बार एक प्रकार का 'संवैधानिक निकास मार्ग' बन जाता है, जिससे अंतिम उत्तरदायित्व सुनिश्चित नहीं हो पाता। यह स्थिति कई प्रश्न खड़े करती है कि क्या त्यागपत्र देना ही पर्याप्त जवाबदेही है? क्या यह न्यायपालिका की गरिमा की रक्षा करता है या केवल संस्थागत असहजता से बचने का एक औपचारिक उपाय है? क्या इससे आम नागरिक के मन में यह धारणा नहीं बनती कि उच्च पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए अलग मानदंड हैं?

महिला हित की अनदेखी

अंततः जिसका अंदेशा था, वही हुआ। महिला आरक्षण से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक दो तिहाई बहुमत के अभाव में लोकसभा से पारित नहीं हो सका। इसी के साथ एक तरह से महिला आरक्षण फिर से ठंडे बस्ते में चला गया। कहना कठिन है कि अब वह कब लागू हो सकेगा। यदि पक्ष-विपक्ष के बीच निकट भविष्य में कोई सहमति नहीं बनती तो आसार यही हैं कि महिला आरक्षण 2034 के लोकसभा चुनाव के पहले क्रियान्वित नहीं हो सकता। महिला आरक्षण में और अधिक देरी दुर्भाग्य की ही बात होगी। ध्यान रहे महिला आरक्षण के सपने को साकार करने में पहले ही बहुत देर हो चुकी है। महिला आरक्षण का विचार करीब तीन दशक

पहले राजनीतिक विमर्श का विषय बना था। इसके बाद सभी दल महिला आरक्षण के पक्ष में बातें तो करते रहे, लेकिन वे उसके लिए मन से तैयार नहीं हुए। इसी कारण महिला आरक्षण संबंधी विधेयक कई बार संसद में पेश होने के बावजूद आगे नहीं बढ़ सका। अंततः 2023 में वह सभी दलों की सहमति से परित तो हुआ, पर इस प्रविधान के साथ कि उसे 2029 के आम चुनाव में लागू किया जाएगा। इसका कारण 2021 में होने वाली जनगणना में विलंब होना रहा। चूंकि नई जनगणना अब जाकर शुरू हुई है और उसके नतीजे आने में समय लगेगा, इसलिए मोदी सरकार ने अगले आम चुनावों से ही महिला आरक्षण को प्रभावी बनाने और विपक्ष की आपत्तियों को दूर करने के लिए यह फार्मूला रखा कि सभी राज्यों की लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि करके महिला आरक्षण को लागू किया जाए। पता नहीं क्यों विपक्ष को सभी राज्यों की लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की वृद्धि का फार्मूला रास नहीं आया, जबकि इससे किसी भी राज्य और विशेष रूप से दक्षिण के राज्यों के राजनीतिक हितों की कोई क्षति नहीं होने जा रही थी। अच्छा होता कि विपक्ष नई जनगणना और उस पर आधारित परिसीमन के आधार पर महिला आरक्षण लागू करने की अपनी जिद का परित्याग करता, क्योंकि यदि जनसंख्या के आधार पर महिला आरक्षण लागू किया जाता है तो कम आबादी वाले दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के राज्य तो राजनीतिक रूप से नुकसान में ही रहेंगे। जहां तक विपक्ष की यह मांग है कि महिला आरक्षण में विभिन्न वर्गों के लिए अलग से आरक्षण लागू किया जाए तो इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि 2023 में ऐसी कोई मांग नहीं की गई थी।

बंगाल फतह के मिशन पर निकले दिनेश जोशी

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में पार्टी के वरिष्ठ नेता दिनेश जोशी शनिवार को कोलकाता के लिए रवाना हुए। उन्हें जगतदल विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने और चुनावी रणनीति को धार देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।जानकारी के अनुसार, जोशी 10 दिनों तक क्षेत्र में रहकर पार्टी प्रत्याशी डॉ. राजेश कुमार (आईपीएस) के समर्थन में जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। इस दौरान वे विशेष रूप से मारवाड़ी समाज को भाजपा के पक्ष में संगठित करने पर फोकस करेंगे।राजनीतिक हलकों में जोशी के दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उनकी संगठनात्मक पकड़ और सक्रियता से पार्टी को चुनाव में लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।उल्लेखनीय है कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल चुनाव को प्रतिष्ठा का प्रश्न मानते हुए अनुभवी नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। ऐसे में दिनेश जोशी की भूमिका जगतदल के साथ-साथ व्यापक चुनावी समीकरणों पर भी असर डाल सकती है।

84 वर्षीय रामप्यारी देवी की आंखे हो गई अमर

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। ताल छापर निवासी रामप्यारी देवी दायमा का निधन शनिवार को होने पर उनके परिजनों ने मानवता और परोपकार की मिसाल पेश करते हुए नेत्रदान का सराहनीय निर्णय लिया। लायंस क्लब सुजानगढ़ की नेत्रदान मुहिम से प्रेरित होकर पवन दायमा ने लायंस क्लब में कुछ माह पहले नेत्रदान हेतु रजिस्ट्रेशन करवाया था। 84 वर्षीय रामप्यारी देवी दायमा के निधन के पश्चात परिवार ने दुःख की घड़ी में भी समाज के लिए प्रेरणादायक कदम उठाया। रामप्यारी देवी दायमा के देवर सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद् चैनरूप दायमा, पुत्र पवन दायमा, पुत्रवधू दुर्गा देवी दायमा ने नेत्रदान की सहमति देने पर नेत्र संग्रह केन्द्र प्राणनाथ हॉस्पिटल सरदारशहर के तकनीशियन भंवरलाल प्रजापत व सहयोगी दिनेश शर्मा ने ताल छापर जाकर नेत्र संग्रह किया। इस पुनीत कार्य में पर्यावरणविद् चैनरूप दायमा, लायन्स क्लब के जोन चैयरपर्सन लायन कमल तापड़िया, नर्सिंगकर्मी सुभाष चोपड़ा व प्रकाश चौपड़ा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नेत्र संग्रह केन्द्र के समन्वयक गणेशदास स्वामी ने बताया कि ताल छापर का यह पहला नेत्रदान है। इस अवसर पर चतुर्भुज शर्मा, श्रीराम शर्मा तथा दायमा परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। रामप्यारी देवी दायमा के नेत्रदान किये जाने पर उनके परिजनों का गांविमं सरदारशहर के अध्यक्ष हिमांशु दुग्गड़, प्राणनाथ होस्पीटल सरदारशहर के चेयरमैन शान्ति लाल चोरड़िया, राजस्थान राज्य थली प्रभारी लोकेश सेठिया, लायंस क्लब के अध्यक्ष प्रशांत पारीक, सचिव अशोक जाजू ने आभार व्यक्त किया है।

खाद्य मंत्री श्री सुमित गोदारा ने की जनसुनवाई, समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस) खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रीसुमित गोदारा ने शनिवार को सादुलगंज स्थित अपने आवास पर प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक जनसुनवाई की। इस दौरान जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं मंत्री के समक्ष रखीं, जिनके समाधान के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई में पानी, बिजली, सड़क, राजस्व, अतिक्रमण सहित विभिन्न प्रकार की समस्याएं सामने आईं। मंत्री श्री गोदारा ने मौके पर ही कई मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए, वहीं कुछ मामलों में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए अधिकारियों को कहा। उन्होंने ग्रामीणों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मौके पर ही विधायक निधि से विभिन्न विकास कार्य स्वीकृत किए। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के साथ विधायक निधि का उपयोग भी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर किया जा रहा है। गोदारा ने कहा कि जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं और प्रशासनिक अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया है कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता से समाधान किया जाए। उन्होंने प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि जिले एवं लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस अवसर पर विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए प्रतिनिधि मंडलों ने मंत्री श्री गोदारा से मुलाकात कर अपने-अपने क्षेत्रों में किए गए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

भुजिया बाजार चिकित्सालय भवन का होगा पुनर्निर्माण, महेश्वरी भवन चिकित्सलय की बनेगी चारदीवारी

जयपुर टाइम्स

बीकानेर (निस)बीकानेर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में चिकित्सा सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में राज्य सरकार ने दो महत्वपूर्ण कार्यों के लिए 1 करोड़ 11 लाख 81 हजार रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की है। विधायक श्री जेठानंद व्यास ने बताया कि बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत राजकीय चिकित्सालय नंबर 2, भुजिया बाजार के भवन का नवनिर्माण कराया जाएगा। इसके लिए 1 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। इसके साथ ही राजकीय चिकित्सालय नंबर 3, माहेश्वरी भवन की चारदीवारी का निर्माण भी किया जाएगा। इसके लिए 11.81 लाख रुपए स्वीकृत किए गएहैं। उन्होंने बताया कि भुजिया बाजार स्थित चिकित्सालय बीकानेर शहर के लोगों के उपचार का प्रमुख केंद्र है, लेकिन वर्तमान में भवन जर्जर अवस्था में है। इसके पुनर्निर्माण से क्षेत्रवासियों को बेहतर और सुविधाजनक चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि इस कार्य की शुरुआत शीघ्र ही करवाई जाएगी। विधायक व्यास ने बताया कि माहेश्वरी भवन स्थित चिकित्सालय की चारदीवारी बनने से अस्पताल परिसर की सुरक्षा और अधिक मजबूत होगी, जिससे मरीजों और स्टाफ को सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

विद्यार्थियों ने जाना सीवरेज शोधन की वैज्ञानिक प्रक्रिया

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के अंतर्गत सामुदायिक जागरूकता व जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत एक प्रेरणादायक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र कुमार सैनी के निर्देशन में आदर्श विद्या मंदिर, मंडावा के विद्यार्थियों व 3 राज नेवल यूनिट एनसीसी, जयपुर के कैडेट्स ने बिसाऊ रोड स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का एक्सपोजर विजिट किया। कार्यक्रम के दौरान मैसर्स एल.एन.ए.आर एण्ड बी (जेवी) के एसटीपी प्लांट इंचार्ज रोविन शर्मा ने विद्यार्थियों को सीवरेज शोधन प्रक्रिया की कार्यप्रणाली के बारे में सरल व प्रभावी तरीके से जानकारी दी। वहीं लैब केमिस्ट्री हेमराज

सैनी ने मानचित्र के माध्यम से सीवरेज कनेक्शन से लेकर जल शोधन की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। विशेषज्ञों ने बताया कि इस आधुनिक प्रक्रिया के माध्यम से न केवल पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखा जा सकता है, बल्कि विभिन्न बीमारियों से भी बचाव संभव है। कैप रुडीप के सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रुहेला ने विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह स्वच्छता को अपनाए और समाज में भी इसका प्रचार-प्रसार करे। उन्होंने विद्यार्थियों से यह भी आग्रह किया कि सीवरेज चैंबर के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ न करें और उसमें ठोस कचरा न डालें, क्योंकि इससे सीवर लाइन के जाम होने की समस्या उत्पन्न हो सकती है। एनसीसी सीटीओ गोविन्द सोनी ने संक्षेप में कहा कि 'एनसीसी कैडेट्स समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और ऐसे शैक्षिक भ्रमण उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने अनुशासन, जिज्ञासा एवं सक्रिय सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न तकनीकी एवं व्यवहारिक प्रश्न पूछकर अपने ज्ञान को समृद्ध किया, जिससे कार्यक्रम और अधिक प्रभावशाली बन गया। कार्यक्रम में एसओटी सदस्य संदीप स्वामी सहित विद्यालय स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। संस्था की ओर से अध्यापक राकेश कुमार एवं अध्यापिका मीनू जाखड़ भी इस भ्रमण में साथ रहे और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस शैक्षिक भ्रमण में लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपने ज्ञान में वृद्धि की और स्वच्छता के महत्व को समझा।

बीदासर में पेयजल योजनाओं का निरीक्षण, अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। जिला कलक्टर के निर्देश पर कस्बे व ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित पेयजल योजनाओं का शनिवा को निरीक्षण किया गया। इस दौरान हैंडपंप मरम्मत, समर कंटीजेंसी, अमृत 2.0 व जल जीवन मिशन से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की गई। उपखण्ड अधिकारी अमीलाल यादव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सहायक अभियंता दिनेश महेला एवं कनिष्ठ अभियंता रविन पूनिया ने विभिन्न गांवों में पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जेईएन पूनिया ने बताया कि ग्राम हेमासर आथूणा की ढाणियों में हैंडपंपों का निरीक्षण किया गया तथा स्वास्थ्य केंद्र एवं राजकीय विद्यालय में जल जीवन मिशन के तहत किए गए जल कनेक्शनों की जांच की गई। इसी तरह ग्राम बालेरा में विभागीय ओपनवेल का निरीक्षण किया गया, वहीं बजट घोषणा के तहत स्वीकृत ग्राम रूपेली में उच्च जलाशय के लिए प्रस्तावित भूमि का भी निरीक्षण किया गया। कस्बे के दूंकर रोड स्थित अमृत 2.0 योजना के तहत निर्मित उच्च जलाशय का भी अधिकारियों ने निरीक्षण किया। इसके अलावा समर कंटीजेंसी के अंतर्गत स्वीकृत नलकूपों के मोटर पंप व सुदृढ़ीकरण कार्य के तहत दड़ीबा में खुमाणा जोहड़ रोड स्थित नलकूप का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को पेयजल आपूर्ति सुचारू रखने तथा आमजन को समय पर पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

संगत सिंह की प्रतिमा अनावरण व राठौड़ का संकल्प दिवस, रतनगढ़ में उत्साह चरम पर

गांव-गांव पीले चावल देकर निमंत्रण

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। चूरू जिला मुख्यालय पर 22 अप्रैल को होने वाले दो भव्य कार्यक्रमों को लेकर रतनगढ़ क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ता दिन-रात जुटे हुए हैं और आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।
जानकारी के अनुसार, 22 अप्रैल को लेफ्टिनेंट जनरल संगत सिंह (पद्म विभूषण, परम विशिष्ट सेवा मेडल) की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। इसके साथ ही राजस्थान के पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ का जन्मदिवस संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन चूरू जिला स्टेडियम में होगा।
लेफ्टिनेंट जनरल संगत सिंह का जन्म रतनगढ़ के कुसुमदेसर गांव में होने के कारण स्थानीय कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। उनके सैन्य कौशल और रणनीति के चलते देश को युद्धों में महत्वपूर्ण विजय मिली। उनकी प्रतिमाएं कुसुमदेसर, नाथुला, सिक्किम और जयपुर सहित कई स्थानों पर स्थापित हैं, अब चूरू में भी उनकी प्रतिमा स्थापित की जा रही है। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए कार्यकर्ता गांव-गांव और ढाणी-ढाणी जाकर लोगों से व्यक्तिगत संपर्क कर रहे हैं तथा पीले चावल देकर निमंत्रण दिया जा रहा है। रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र से सैकड़ों बसों में कार्यकर्ता चूरू पहुंचेंगे। निमंत्रण कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष भागीरथ सिंह, पवन सिंह कुसुमदेसर, सम्पत नायक (प्रशासक लूछ), नंद किशोर भार्गव, करणी सिंह राजियासर, दातार सिंह (प्रशासक भरपालसर), देवेंद्र सिंह (प्रशासक), करणी सिंह (पूर्व सरपंच), गिरधारी सिंह (पूर्व सरपंच), भगवान दास, पर्वत सिंह लधासर, गिरवर सिंह, छोटू सिंह, महेंद्र सिंह, चित्रजन सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फुलेरा थाने का एसपी हनुमान प्रसाद मीणा ने किया औचक निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस)। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने शनिवार को फुलेरा थाने का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर, अभिलेख संधारण, मालखाना सहित अन्य व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा और साफ- सफाई व अनुशासित कार्यप्रणाली पर संतोष जताया। थाने पर पहुंचने पर पुलिस जवानों ने एसपी को सम्मानपूर्वक गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण कर रिकॉर्ड व्यवस्था, लंबित प्रकरणों की स्थिति और मालखाने के रखरखाव की समीक्षा की। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार ने उन्हें थाने की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा और उप पुलिस अधीक्षक सांभरलेक अनुपम मिश्रा भी मौजूद रहे। एसपी ने पुलिस अधिकारियों और जवानों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सजगता और अनुशासन से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था मजबूत बनी हुई है। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षेत्र में नियमित गश्त और निगरानी को और सुदृढ़ किया जाए, असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए तथा आमजन की शिकायतों का त्वरित व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस का व्यवहार आमजन के प्रति संवेदनशील और सहयोगात्मक होना चाहिए, जिससे लोगों का विश्वास और मजबूत हो सके।

संगठन बचाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान के तहत बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे के पुराना बस स्टैंड स्थित कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार देर शाम राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार 'संगठन बचाओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर कांग्रेस अध्यक्ष जेठाराम यादव ने की। बैठक में विधायक मनोज मेघवाल व प्रभारी दिनेश कस्वा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी नगरपालिका चुनावों को लेकर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि 35 वार्डों की सूची तैयार कर ली गई है और अब प्रत्येक वार्ड में अध्यक्ष नियुक्त कर वार्ड स्तर पर कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। इससे पार्टी की जमीनी पकड़ मजबूत होगी और चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकेगा। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से सक्रिय भागीदारी निभाने, बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने तथा जनसमस्याओं को प्राथमिकता से उठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही जीत की कुंजी है। इस दौरान पालिका उपाध्यक्ष मेराज उल हसन छीपा, जवाहर सिंह राठौड़, गोपाल गुर्जर, मदन बोरावड, अफ़ज़ल सालमपुरिया, रामपाल पांडिया, गिरधारी मेहला, धर्मचन्द लोहिया, मालचन्द दर्जी, नानुराम प्रजापत, महावीर छापोला, कमल जांगिड सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिमरन शेखावत बनीं गांव की पहली आरएएस, 29वीं रैंक से रचा इतिहास

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निस)। प्रतिभा, धैर्य और निरंतर मेहनत का अद्भुत उदाहरण पेश करते हुए करीरी गांव की बेटी सिमरन (पूनम) शेखावत ने राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षा-2024 में 29वीं रैंक हासिल कर इतिहास रच दिया। खास बात यह रही कि उन्होंने यह सफलता अपने तीसरे प्रयास में हासिल की, जिससे उनके संघर्ष और संकल्प की प्रेरणादायक कहानी सामने आई है। सिमरन की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। वे गांव की पहली आरएएस अधिकारी बनकर उभरी हैं, जिससे ग्रामीणों में गर्व और उत्साह का माहौल है। परिजनों के अनुसार, सिमरन ने अपने पहले प्रयास इस-2021 में 402वीं रैंक प्राप्त की थी। इसके बाद इस-2023 में 261वीं रैंक हासिल कर उन्होंने निरंतर सुधार किया और अंततः इस-2024 में 29वीं रैंक के साथ शानदार छलांग लगाई। वर्तमान में वे जैसलमेर में तहसीलदार पद पर परिवीक्षाकाल के दौरान सेवाएं दे रही हैं। सिमरन के पिता नरेंद्र सिंह शेखावत सामोद होटल में सेफ के पद पर कार्यरत हैं। जबकि माता अंजू कंवर गृहिणी हैं। परिवार में छोटे भाई आदित्य और बहन प्रिया कंवर भी हैं। सिमरन अपनी सफलता का श्रेय अपनी मासी शिल्पा राठौड़ और बड़े भाई चंदन सिंह शेखावत को देती हैं जिनसे उन्हें निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा मिली।

उन्होंने नियमित रूप से प्रतिदिन करीब आठ घंटे अध्ययन कर यह मुकाम हासिल किया। सिमरन की ऐतिहासिक सफलता पर करीरी गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। उपसरपंच प्रतिनिधि संग्राम सिंह करीरी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने शनि महाराज मंदिर परिसर में आतिशबाजी कर और मिठाइयां बांटकर जश्न मनाया।

युवाओं के लिए बनी प्रेरणा.

सिमरन की सफलता यह संदेश देती है कि निरंतर प्रयास, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनकर उभरी है।

नंद घर श्रीरामपुरा 2 में मनाया पोषण पखवाड़ा

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निस)। पंचायत समिति सांगानेर के श्रीरामपुरा मे अनिल अग्रवाल फाउंडेशन , महिला व बाल विकास विभाग व अर्पण सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में श्रीरामपुरा नंद घर में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित हुआ। क्लस्टर सुपरवाइजर विक्रम चौधरी, महिला प्रवेशिका बृजेश्वरी ने बताया आज इस कार्यक्रम में महिलाओं और बच्चों को पौष्टिक आहार के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अनाज के महत्व बताए और रेसिपी के फायदे बताए। कार्यक्रम में महिलाओं के पोषक तत्व की समस्याओं का समाधान किया गया। लाभार्थियों की ओर से विभिन्न व्यंजन बनाए गए। एक एक व्यंजन की जांच करते हुए पौष्टिक आहार के लाभ बताए। महिलाओं की ओर से बनाई गई रेसिपी जैसे दलिये की खीर, दलिया की लापसी, वेजिटेबल खिचड़ी, आलू सूजी पॉकेट, वेजिटेबल राब इत्यादि अभिभावक अपने घर से बनाकर नंद घर लाए और प्रदर्शनी लगाई। पोषक तत्व विषयक रंगोली भी बनाई। स्क्रीन टाइम कम करने पर भी जानकारी दी गई।कार्यक्रम में नंद घर कार्यकर्ता पूजा प्रजापत, अनीता मीणा, सीता शर्मा, कमलेश शर्मा, सीता शर्मा, गुड्डी शर्मा,मीना मीणा व अभिभावक, सक्रिय सदस्य, लाभार्थी उपस्थित रहे।

Office Gram Panchayat Khadra, Panchayat Samiti Neem Ka Thana (Sikar)

File No : 20 Date: 17.4.26

Notice Inviting Bid

Bid for VB GRAMG (MGNAREGA) and Other Scheme Rate Contract for Supply of Construction Material and Providing Equipment for F.Y 2026-27 Gram Panchayat Khadra, Panchayat Samiti Neem Ka Thana of subject matter's of Procurement are invited from intersted bidders upto 18.04.2026, 09:00 AM to 28.04.2026, 06:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in) or (http://sppp.raj.nic.in) of the state and Panchayati Raj departmental website. The approximate value of the procurement is RS - 50,00,000/-

UBN No.- PIQ2627GLRC00029.

Village Development Officer
Gram Panchayat Khadra

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, रविवार
19 अप्रेल, 2026

पोस्ट ऑफिस में भामाशाह ने किया प्रिंटर भेंट

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे के डाकघर में भामाशाह मोहम्मद सदीक खजवाना ने कैनन कंपनी का प्रिंटर भेंट किया। इस अवसर पर पोस्ट ऑफिस परिवार ने उनका आभार जताते हुए सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान पोस्ट मास्टर रघुवीर सिंह ढाका सहित कर्मचारियों भंवरलाल साद, कमल किशोर, नरेश सोनी, प्रीति चोपड़ा, पवन कुमार व गोपाल गुर्जर ने भामाशाह मोहम्मद सदीक खजवाना का माल्यार्पण कर साफा पहनाकर स्वागत किया। इस भेंट में जय कुमार गुसाईवाल ने प्रेरक की भूमिका निभाई। डाकघर के सभी कर्मचारियों ने इस सहयोग के लिए भामाशाह का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इससे कार्यालय के कार्यों में और अधिक सुविधा व तेजी आएगी।

रात्रि चौपाल बनी जनसुनवाई का असरदार मंच, घुमंतु परिवारों को मिला भूखण्ड का कब्जा

बिरमी ग्राम पंचायत में प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, वर्षों पुरानी समस्या का मौके पर समाधान

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। ग्राम पंचायत बिरमी में गुरुवार को आयोजित जिला कलेक्टर की रात्रि चौपाल आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का सशक्त मंच साबित हुई। चौपाल के दौरान चार घुमंतु सांसी परिवारों ने उपस्थित होकर उन्हें पूर्व में आवंटित पट्टों की भूमि का वास्तविक कब्जा दिलाने की मांग रखी। परिवारों ने बताया कि पट्टे जारी होने के बावजूद अब तक उन्हें भूमि का भौतिक सुपुर्दगी नहीं मिल पाई थी, जिससे वे लाभ से वंचित थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने मौके पर ही

ग्राम पंचायत प्रशासन, विकास अधिकारी एवं तहसीलदार को निर्देश दिए कि आवंटित भूमि का शीघ्र सीमांकन करवा कर पात्र परिवारों को तत्काल कब्जा दिलाया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर के निर्देशों के बाद उपखंड अधिकारी और खंड विकास अधिकारी ने तत्परता दिखाते हुए शुक्रवार को ही वीडीओ और पटवारी को मौके पर भेजा। सीमांकन की प्रक्रिया पूर्ण कर घुमंतु परिवारों को उनके भूखण्ड का भौतिक कब्जा सुपुर्द किया गया, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली। भूमि प्राप्त करने वाले लाभार्थियों–शांति देवी, विजय सिंह, प्रभुदयाल व मोहर सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित इस कार्य के पूर्ण होने से अब उन्हें स्थायी आवास और बेहतर जीवनयापन की दिशा में नई उम्मीद मिली है। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव, उपखंड अधिकारी मुनेश कुमारी, खंड विकास अधिकारी अमित चौधरी, तहसीलदार शेर सिंह राठौड़ सहित अन्य जिला व ब्लॉक अधिकारी उपस्थित रहे। यह पूरा प्रकरण रात्रि चौपाल की प्रभावशीलता को दर्शाता है, जहां आमजन की समस्याओं को न केवल सुना जाता है बल्कि उनका त्वरित समाधान भी सुनिश्चित किया जाता है। विशेष रूप से कमजोर एवं वंचित वर्गों के लिए यह पहल किसी वरदान से कम नहीं है।

जीण माता मंगल पाठ में उमड़े भक्तः तीन घंटे तक चला भजन-कीर्तन

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। मण्डावा के मुख्य बाजार के पास हाईलैण्ड मार्ग पर ओमप्रकाश सोनी - भवन में शनिवार को जीण भवानी मंगल पाठ का सामूहिक आयोजन किया गया। इस दौरान गायक कलाकार नरोत्तम चेजारा एण्ड पार्टी और महिलाओं ने माता जीण के जीवन चरित्र पर आधारित मंगल पाठ का संगीतमय वाचन किया। इस दौरान पंकज पुत्र सज्जन सोनी के संयोजन में हुए आयोजन में महिलाओं ने बीच-बीच में सुंदर भजनों की प्रस्तुतियां भी दी। जिस पर श्रद्धालु झूम उठे। एक से बढ़ कर एक सुन्दर भजनों के माध्यम से माता की महिमा का गुणगान किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ माता के दरबार के सामने ज्योत लेकर किया गया। आखिर में माता की भव्य आरती हुई। आरती के बाद सभी श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण भी किया गया। आयोजन में महिला मंडल के साथ ही श्री राम अमृतवाणी पाठ ग्रुप के सदस्य भी शामिल हुए। करीब तीन घंटे तक चले कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालु भक्ति के रंग में रंगे नजर आए।

सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया भजन संध्या का आनंद

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती कस्बे छापर में समाजसेवी स्व. रमेश कुमार रूहील की स्मृति में वार्ड नंबर 1 में आयोजित भजन संध्या में सैंकड़ों की संख्या में लोगों व क्षेत्र के साधु संतों ने शिरकत की। पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष शिवप्रसाद जाट ने बताया कि भजन संध्या में झारिया धाम चूरू के संत आकाश नाथ महाराज एवं उनके साथ पधारे साधु संतों व कलाकारों ने शानदार भजनों की प्रस्तुतियां दी। नाथ संप्रदाय के संतो के भजनों के साथ भक्तगण झूम-झूम कर नाचने गाने लगे। आकाश नाथ महाराज के मुख्य भजनों में -जगदंबा स्तुति और नाथ पंथी वाणी शामिल रहे। अतिथियों ने समाजसेवी रूहिल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान खेताराम रूहील, करणाराम रूहील, पन्नालाल रूहील, दिनेश जाट, हितेश जाखड़, भागीरथ बिजारणियां, मुनाराम डूडी, रमन चौधरी, बंसी डूडी, आलोक घिंटाला, राजू डूडी, पीथाराम ज्याणी, डूंगर ढाका, रेखाराम गोदारा, त्रिलोक किलका, श्याम बाबू, अशोक जाखड़, रूकमानंद माली, प्रेम तंवर, राजकुमार स्वामी, सुमित शर्मा, नारायण रतावा, बजरंग जाट माली, ओमप्रकाश जाट माली, मोहन मंडा, रमेश सुथार, मोहन प्रजापत, अनवर खां, जाकिर राजस्थानी, पुरूषोतम सुरेखा, पूर्व चैयरमैन श्रवण माली, बाबूलाल माली, नोरंगलाल ज्याणी, डूंगर ज्याणी, चतर कड़वासरा, गजानंद स्वामी, जयराम जांगिड़, प्रकाश दर्जी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र में मनाया पोषण पखवाड़ा

रंगोली व स्लोगन से दिया जागरूकता का संदेश

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के आंगनवाड़ी केंद्र वार्ड 39 मोदी कुंआ पर महिला व बाल विकास विभाग परियोजना की ओर से अष्टम पोषण पखवाड़ा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की ओर से रंगोली और स्लोगन के माध्यम से पोषण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस दौरान सीडीपीओ सरोज नायक, सुपरवाइजर दीक्षा, कार्यकर्ता सविता सैनी, सुमन शर्मा, सुजना सारण, ललिता सोनी, खुशबू शर्मा, गीता सैनी, सम्पत, ललिता, सरिता, अनीता, पार्वती, संजू दुर्गा, कविता, शमीम, शाहिदा सहित कार्यकर्ता व सहायिकाएं व वार्ड के लोग उपस्थित रहे।

राणीसती दादी के मंगल पाठ का आयोजन

भक्ति में डूबे श्रद्धालु, जयकारों से गूंजा माहौल

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। कस्बे के वार्ड 5 स्थित देवड़ा - भवन में राणीसती दादी के मंगल पाठ का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा वातावरण भक्ति व श्रद्धा से सराबोर हो गया। यह आयोजन देवड़ा परिवार के सानिध्य में संपन्न हुआ, जहां सुबह से ही भक्तों का आना शुरू हो गया था। पूरे कार्यक्रम के दौरान दादी के जयकारों और भजनों से परिसर गुंजायमान रहा। कार्यक्रम में राणीसती दादी के अनेक भक्तों ने श्रद्धालुओं के साथ मिलकर मंगल पाठ किया और विधिवत पूजा- अर्चना कर दादी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धा भाव से दादी को चुनरी अर्पित की और सभी उपस्थित भक्तों के सुख-समृद्धि की कामना की। आयोजन स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था, जिससे धार्मिक माहौल और अधिक प्रभावी बन गया। श्री राणीसती मन्दिर के महंत योगेश शर्मा ने आरम्भ में विशेष पूजा अर्चना करवाने के बाद कहा कि इस प्रकार के

धार्मिक आयोजनों का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लोग अपनी सांस्कृतिक जड़ों से दूर होते जा रहे हैं, जो आने वाली पीढ़ी के लिए चिंता का विषय है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं में धार्मिक जागरूकता और संस्कारों का विकास किया जा सकता है। पूरे आयोजन के दौरान भक्तजन भक्ति रस में डूबे नजर आए। दादी के जयकारों, भजनों और मंगल पाठ से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। आयोजन के अंत में मुख्य यजमान गोपाल देवडा ने सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण कर आभार जताया , जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

गौ-माता को राष्ट्रीय दर्जा दिलाने और गोवंश के संरक्षण के लिए जुलूस 27 को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। भारतीय संस्कृति की आधारशिला गौ-माता को राष्ट्र का दर्जा दिलाने और देशी गोवंश के संरक्षण के लिए गौ-सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत शनिवार को ध्यान नाथ महाराज के सानिध्य में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर गौवंश के सम्मान में

रणनीति बनाई गई। गौ-प्रेमी बी.एन. राजोतिया ने बताया कि कार्यक्रम को गति देने के लिए आगामी 24 अप्रैल को जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत शाम 5 बजे सभी गौ-प्रेमी मोचीवाड़ा स्थित पंचमुखी बालाजी मंदिर में एकत्रित होंगे। यहाँ से मुख्य बाजारों में जनसंपर्क कर आमजन को अभियान से जोड़ा जाएगा। 27 अप्रैल को विशाल जुलूस निकाला जायेगा। ये जुलूस सोमवार 27 अप्रैल को प्रातः 10 बजे केंद्रीय विद्यालय से शुरू होगा। इसमें चूरू शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के गौ-सेवक, समाज सेवी, संत-महात्मा और सनातन धर्म प्रेमी भाग लेंगे। संतों के सानिध्य में यह जुलूस एसडीएम कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया जाएगा। भारत में गौ-हत्या पर पूर्णतः प्रतिबंध लगे और देशी गोवंश को पूर्ण सुरक्षा मिले। गौमाता को राष्ट्र माता, राष्ट्र देव और राष्ट्र धरोहर का सम्मान पद मिले। गौ सेवा के लिए केंद्रीय कानून लागू हो और अलग से केंद्रीय गौ सेवा मंत्रालय का गठन किया जाए। देश में गोचर बोर्ड का गठन और सुदृढ़ चारा सुरक्षा नीति तय की जाए। गौ-आधारित कृषि को प्रोत्साहन मिले और पंचगव्य उत्पादों के निर्माण व विपणन को बढ़ावा देने की मांग की गई। इस अवसर पर गोपी शर्मा, श्रीराम शर्मा, सुधीर कुदाल, महेश गौड़, राजेश सोती, आशीष चोटिया, सुरेश कुमार, कन्हैया लाल सैनी, आकाश, मेजर विनोद शर्मा, कैलाश नवहाल, राकेश ओझा, विमल जोशी, कमल किशोर जोशी सहित बड़ी संख्या में गौ-भक्त व शहर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

चूरू में गर्मी के तेवर शुरू, 42.4 डिग्री पहुंचा पारा, पश्चिमी विक्षोभ से मौसम में बदलाव

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। पश्चिमी विक्षोभ के कारण अप्रैल में ही गर्मी ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। शनिवार को दोपहर करीब ढ़ाई बजे चूरू का अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह 7 बजे से ही सूर्य की किरणें तेज हो गई। दिन चढ़ने के साथ-साथ गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान कर दिया, हालांकि शाम चार बजे के बाद आसमान में हल्के बादल छाये। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडा पेय पदार्थ पी रहे हैं। गर्मी से बचाव के लिए छाते और तौलिये का सहारा लिया जा रहा है।

आने वाले दिनों में बढ़ेगी गर्मी

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में राज्य के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों में बाड़मेर में

सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शर्मा ने बताया कि राज्य के उत्तरी भागों में आज आंधी और बारिश के असर से तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। इसके बाद आगामी दिनों में तापमान में पुनः 1 से 2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। बढ़ती गर्मी के कारण अस्पतालों में उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है।

बाल विवाह निषेध विधिक जागरूकता अभियान जारी

जयपुर टाइम्स/सुजानगढ़(नि.सं.)। *राज्य व चूरू जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और तालुका विधिक सेवा समिति, सुजानगढ़ के निर्देश अनुसार शनिवार को स्टेशन रोड़, उप जिला अस्पताल, घंटाघर, गाँधी चोक, सब्जी मण्डी, न्यू मार्केट, धर्मकाँटा आदि स्थानों पर बाल विवाह निषेध विधिक जागरूकता अभियान चलाया गया। पेरा लीगल वॉलंटियर विजयपाल श्योराण ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी देते हुए घंटाघर के पास एकत्र मजदूरों को बताया कि 18साल से छोटी उम्र की लड़की या 21साल से छोटे उम्र के लड़के का विवाह किया जाता है तो वह कानूनन अपराध है। पीएलवी विजय पाल ने बताया कि सोमवार को प्रगति नगर, भोजलाई चौराहा, राव बीदाजी संस्थान, पुराना बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, नेताजी सुभाष पार्क आदि स्थानों पर बाल विवाह रोकथाम के लिए विधिक जागरूकता गतिविधियां की जाएगी।*

आदर्श विद्या मन्दिर मण्डावा में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। आदर्श विद्या मन्दिर मण्डावा में शनिवार को सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10 के उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के उपलक्ष्य में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में हुआ, जिसमें विद्यालय के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मंचासीन अतिथियों में संस्था समिति के कोषाध्यक्ष हरिशंकर राहड़, संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल, प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी व आरबीएसई प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सहित अभिभावक उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के समर्पण एवं अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम अनुशासन, परिश्रम एवं सही मार्गदर्शन का प्रतिफल है तथा विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रयासरत रहेगा।

सम्मानित विद्यार्थियों के नाम व प्राप्त प्रतिशत अंक इस प्रकार हैं

दिलीप कुमार (94'), हिमांशु (93.6'), चेतन (89.4'), संकेत मोरे (88.6'), रक्षिता शेखावत (87.2'), प्रिंशी शर्मा (86.4'), शिवानी कंवर (84.6'), हंशिका स्वामी (84'), दर्शिल (83.4'), दीपक सिंह (83.2'), खुशी (82.6'), करण कुमावत (82'), मानस्वी सैनी (81.8'), शिवांक शर्मा (81.4'), कार्तिकेय गहलोत (81.2')। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को माल्यार्पण कर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गोविन्द सोनी की ओर से कुशलतापूर्वक किया गया। अंत में उन्होंने विद्यालय परिवार की ओर से सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

45 हजार का सामान चोरी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। पशु चिकित्सा स्वास्थ्य कार्यालय में चोरी हो जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार पशुधन निरीक्षक भरत कुमार सैनी ने कोतवाली थाने में मामला दर्ज करवाकर पुलिस को बताया है कि भंडार कक्ष से करीब 45 हजार रूपए का सामान चोरी हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

25 अप्रैल तक जीवन प्रमाण पत्र जमा नहीं कराने पर रुकेगा सम्मान भत्ता

जयपुर टाइम्स

झुन्झुनू(निस)। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, झुन्झुनूं के कार्य क्षेत्र अंतर्गत आने वाले झुन्झुनूं, उदयपुरवाटी, गुढ़ा गोड़जी, नवलगढ़, मंडावा व बिसाऊ क्षेत्रों की 1 अप्रैल 1999 से पूर्व शहीद हुए सैनिकों की वीरांगनाओं को राज्य सरकार की ओर से देय सम्मान भत्ता के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अनिल पूनिया ने बताया कि जिन वीरांगनाओं को सम्मान भत्ता जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, झुन्झुनूं की ओर से भुगतान किया जा रहा है, उन्हें नियमित भुगतान जारी रखने के लिए वार्षिक जीवन प्रमाण पत्र 25 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजों सहित जमा कराना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित तिथि तक जीवन प्रमाण पत्र जमा नहीं कराने की स्थिति में अप्रैल 2026 माह का सम्मान भत्ता भुगतान किया जाना संभव नहीं होगा।
कर्नल पूनिया ने सभी पात्र वीरांगनाओं से अपील की है कि वे समय सीमा के भीतर जीवन प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर अपने सम्मान भत्ते का निर्बाध लाभ सुनिश्चित करें।

एस.एस.एम.डिग्री कॉलेज

चंगोई रोड़ तारानगर जिला चूरु राजस्थान 331304

आवश्यकता

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् एवं यूजीसी तथा महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के नियमानुसार एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP) हेतु शैक्षणिक और गैर शैक्षिक स्टाफ की आवश्यता निम्न प्रकार हैः–

विभागाध्यक्ष–1

सहायक प्रोफेसर गणित 2, भौतिकी–2, रसायन विज्ञान– 2, जीव विज्ञान–2, वनस्पति विज्ञान – 2 इतिहास–2, भूगोल– 2, राजनीति विज्ञान–2, अर्थशास्त्र– 2, हिन्दी–2, अंग्रेजी–2, अंग्रेजी सम्प्रेषण कौशल–4, शिक्षा अध्ययन–6, भारतीय भाषा कौशल–2, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा–1 (अंशकालिक), कला शिक्षा–1 (अंशकालिक) कैरियर मार्गदर्शन तथा परामर्श–1 (अंशकालिक)

योग्यता राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् एवं यूजीसी तथा महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के नियमानुसार होनी चाहिए। अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र दिनांक 20.04.2026 को

ईमेल mkmahala1975@gmail-com अथवा डाक द्वारा सचिव, एस एस एम डिग्री कॉलेज चंगोई रोड़ तारानगर में भिजवायें।

सचिव, शीशराम, 9414527861

नाम परिवर्तन

मेरे पुत्र गणेश शर्मा की कक्षा 10 की अंकतालिका व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम राजुराम शर्मा (RAJURAM SHARMA) अंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम राजू राम शर्मा (RAJU RAM SHARMA) अंकित है। यह कि दोनों मेरे ही नाम हैं।
राजू राम शर्मा पुत्र जीवण राम, ग्राम बडाबर, तह. सुजानगढ (चूरू) राज.

कार्यालय नगरपालिका रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांकः- नपार / भूमि / 2026 /251-53 दिनांकः- 16.4.26

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित आवेदकगणों द्वारा नीचे अंकित प्रयोजन हेतु इस कार्यालय आवेदन प्रस्तुत किये हैं। उक्त के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्थान को काई आपत्ति हो तो आपत्ति प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर सप्रमाण आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, तय समयावधि में आपत्ति प्रस्तुत नहीं होने पर आगामी कार्यवाही अमल में लायी जावेगी। बाद मियाद कोई उजर आपत्ति मान्य नहीं होगी।

क.सं.	पत्रावली संख्या/ दिनांक	नाम आवेदकगण	खसरा नं0 / भू-खण्ड का क्षेत्रफल	वांछित प्रयोजन
1	LD/RTNG/ 2025-26/ 350999/12-03-2026	श्री रवीशंकर पुत्र श्री रायचन्द, गढ़ के पीछे गोगामेड़ी, वार्ड नं0 28 रतनगढ़	खसरा नं0 1493/973 203.45 वर्गमीटर	कृषि भूमि से आवासीय

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका रतनगढ

एक साल की उम्र में पिता खोया, मां ने खेती कर पढ़ायाः बाछड़ी के सियाराम मीना बने आरएएस, एसटी में 59वीं रैंक

दूसरे प्रयास में सफलता; गांव के सरकारी स्कूल से पढ़ाई, मां और भाइयों को दिया श्रेय

जयपुर टाइम्स

किशोरी(निस)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा परिणाम 2024 में थानागाजी तहसील के गांव बाछड़ी निवासी सियाराम मीना ने एसटी वर्ग में 59वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 27 वर्षीय सियाराम ने यह सफलता दूसरे प्रयास में प्राप्त की। सियाराम की सफलता संघर्ष और प्रेरणा की मिसाल है। उन्होंने बताया कि जब वे मात्र एक वर्ष के थे, तभी उनके पिता जगदीश प्रसाद मीना का निधन हो गया था। इसके बाद उनकी माता रामप्यारी देवी ने खेती कर परिवार का पालन-पोषण किया और तीनों बेटों की पढ़ाई का जिम्मा उठाया। सियाराम की प्रारंभिक शिक्षा गांव बाछड़ी के राजकीय विद्यालय से हुई। इसके बाद उन्होंने निरंतर मेहनत करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की और जयपुर में रहकर अध्ययन जारी रखा। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी मां और बड़े भाइयों को दिया। उनके बड़े भाई प्रहलाद मीना संचार मंत्रालय, दिल्ली में सेक्शन ऑफिसर हैं, जबकि रिंकेश मीना राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जयपुर में सहायक पर्यावरण अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। सियाराम के आरएएस बनने पर परिवार सहित पूरे गांव में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों और परिजनों ने मिठाई बांटकर खुशी जताई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आखातीज से पहले प्रशासन अलर्ट- बाल विवाह रोकने 24 घंटे कंट्रोल रूम शुरू

कलेक्ट्रेट में स्थापित नियंत्रण कक्ष

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। आगामी अक्षय तृतीया (आखातीज) और पीपल पूर्णिमा जैसे अवसरों पर संभावित बाल विवाह की घटनाओं को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने इस संबंध में आदेश जारी कर विशेष व्यवस्थाएं लागू की हैं। जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट के कक्ष संख्या 51 में 24 घंटे सक्रिय रहने वाला जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका संचालन तीन पारियों में किया जाएगा। कंट्रोल रूम के प्रभारी के रूप में महिला व बाल विकास विभाग के सहायक लेखाधिकारी मंगीलाल आर्य को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक धौलपुर और जिले के सभी उपखंड मजिस्ट्रेटों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियंत्रण कक्ष स्थापित कर निगरानी और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला कलक्टर ने स्पष्ट किया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह दंडनीय अपराध है और इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे इस कुप्रथा को रोकने में सहयोग करें और कहीं भी बाल विवाह की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी, ताकि बिना किसी डर के लोग आगे आकर जानकारी दे सकें।

गौवंश तस्करी में 5 साल की सजाः कंटेनर चालक को कोर्ट ने ठहराया दोषी, 5 हजार का जुर्माना

4 साल पुराने मामले में फैसला; कंटेनर में 32 सांड ठूंसकर ले जाते पकड़ा था आरोपी

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। अपर जिला एवं सत्र न्यायालय धौलपुर ने करीब चार साल पुराने गौवंश तस्करी के मामले में आरोपी को दोषी ठहराते हुए 5 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 5 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। अपर लोक अभियोजक मुकेश सिकरवार ने बताया कि मामला 27 अगस्त 2021 का है। मनियां थाना क्षेत्र की बरैठा पुलिस चौकी को सूचना मिली थी कि धौलपुर से आगरा की ओर जा रहे एक कंटेनर में अवैध रूप से गौवंश भरा हुआ है। इस पर तत्कालीन एएसआई अजय सिंह ने नाकाबंदी कर कंटेनर को रुकवाया और जांच की। जांच के दौरान कंटेनर में 32 सांड (बैल) ठूंस-ठूंसकर भरे हुए पाए गए। वाहन में चालक सहित चार लोग मौजूद थे। चालक से गौवंश परिवहन के संबंध में दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद पुलिस ने चालक नवाब मोहम्मद पुत्र शकूर मोहम्मद उर्फ अब्दुल शकूर, निवासी देशवालियों का मोहल्ला, वार्ड नंबर 21, टोडारायसिंह (जिला टोंक) को गिरफ्तार कर मामला दर्ज किया। पुलिस ने जांच पूरी कर कोर्ट में चालान पेश किया। इस मामले में 18 अप्रैल 2026 को सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश गोयल ने आरोपी को दोषी मानते हुए 5 वर्ष के कठोर कारावास और 5 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई।।

अवकाश कटौती पर शिक्षकों में रोषः आदेश वापस नहीं लिया तो शिक्षा मंत्री का विरोध करेगा शिक्षक संघ

ग्रीष्मावकाश घटाने के फैसले पर उबाल; 30 अप्रैल के बाद बड़े आंदोलन की चेतावनी

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। शिक्षा विभाग की ओर से ग्रीष्मकालीन अवकाश में कटौती के आदेश को लेकर प्रदेशभर के शिक्षकों में भारी नाराजगी है। राजस्थान शिक्षक संघ (एकीकृत) ने चेतावनी दी है कि यदि अवकाश कटौती का आदेश वापस नहीं लिया गया तो 30 अप्रैल के बाद बड़ा आंदोलन किया जाएगा और शिक्षा मंत्री का विरोध किया जाएगा। संघ के अनुसार 31 मार्च 2026 को जारी शिविरा के तहत ग्रीष्मकालीन अवकाश 17 मई से 20 जून तक निर्धारित किया गया है, जबकि पूर्व में यह 30 जून तक रहता था। साथ ही संस्था प्रधान द्वारा घोषित अवकाश को भी दो से घटाकर एक कर दिया गया है, जिससे शिक्षकों में असंतोष बढ़ गया है। संघ ने बताया कि 7 अप्रैल को प्रदेशभर में जिला कलेक्टर कार्यालयों के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर इस निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की गई थी, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई है। प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रणजीत मीना ने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और भीषण गर्मी को देखते हुए अवकाश पूर्व की तरह 17 मई से 30 जून तक किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग नहीं मानी गई तो प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा। प्रदेश मुख्य संरक्षक गिरिराज शर्मा, संगठन महामंत्री चंद्रभान चौधरी और उपाध्यक्ष गंगाराम गुर्जर ने कहा कि शिक्षकों ने हाल ही में एसआईआर जैसे जटिल कार्य समय पर पूरे किए, बोर्ड परीक्षाएं, स्थानीय परीक्षाएं और परिणाम जारी करने के साथ नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत भी समय पर कराई।

जवाई नदी बना जंजाल : कचरे के ढेर, रेत में धंसते वाहन, सैकड़ों गांवों की सांसें अटकी

भारून्दा-कोरटा मार्ग पर रोज जाम जैसे हालात

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। रास्ता है या मुसीबत का गड्ढा? भारून्दा से कोरटा को जोड़ने वाला जवाई नदी का अहम मार्ग इन दिनों लोगों के लिए राहत नहीं, आफत बन गया है। कचरे के ढेर, टूटा-पड़ा रास्ता और रेत में धंसते वाहन–यही इस मार्ग की हकीकत है। सैकड़ों गांवों को जोड़ने वाली इस जीवनरेखा पर रोजाना लोग फंस रहे हैं, लेकिन व्यवस्था की तरफ से अब तक कोई ठोस कदम नहीं दिख रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि घर-घर से कचरा उठाने की व्यवस्था तो बनाई गई, लेकिन उसका निस्तारण तय स्थान पर करने के बजाय रास्ते के किनारे ही डाल दिया जाता है। इससे मार्ग संकरा हो गया है और नदी पार करते समय वाहन रेत में फंस जाते हैं। एक मारुति कार का बुरी तरह धंस जाना इसी लापरवाही की ताजा मिसाल है।

हजारों लोगों की लाइफलाइन, लेकिन हाल बेहालः

यह मार्ग आसपास के कई गांवों के लिए मुख्य संपर्क का साधन है। किसान, विद्यार्थी, मजदूर और आमजन–सभी इसी रास्ते पर निर्भर हैं। ऐसे में रास्ते की बदहाली सीधे तौर पर लोगों की दिनचर्या और आजीविका को प्रभावित कर रही है।

कार फंसी, नुकसान उठाया '–ग्रामीणों का गुस्साः

ग्रामीण कार चालक ने बताया कि उनकी कार भी इसी रास्ते पर रेत में धंस गई थी, जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

अब भी नहीं जागी व्यवस्था तो बढ़ेगा आक्रोशः

ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही कचरा हटाकर रास्ता दुरुस्त नहीं किया गया और स्थायी समाधान की दिशा में कदम नहीं उठाए गए, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। अब बड़ा सवाल यही है–क्या जिम्मेदार इस 'जवाई संकट' को गंभीरता से लेंगे या फिर सैकड़ों गांवों की यह पुकार यूं ही अनसुनी रह जाएगी?

हर दिन जंग, हर सफर जोखिम भराः
यह कोई एक दिन की बात नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां से गुजरना अब रोज की जंग बन गया है। बाइक हो या कार–हर वाहन चालक को इस रास्ते पर फंसने का डर रहता है। कई बार लोगों को घंटों मशक्कत कर वाहन निकालने पड़ते हैं।

पुल या रपट ही स्थायी हलः
ग्रामीणों ने साफ कहा है कि अब अस्थायी सुधार से काम नहीं चलेगा। जवाई नदी पर पुल या रपट का निर्माण ही इस समस्या का स्थायी समाधान है। उनका कहना है कि यदि यह काम हो जाता है, तो क्षेत्र के हजारों लोगों को राहत मिलेगी और आवागमन सुगम हो सकेगा।

एक साल में नई सौर लाइटें भी ठपः मेले से पहले पोयणा अंधेरे में, लाखों की व्यवस्था कबाड़

कागजों में उजाला, जमीन पर अंधेरा' से ग्रामीणों में आक्रोश

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निस)। बामनेरा ग्राम पंचायत के पोयणा गांव में सौर ऊर्जा लाइटों की हालत बदहाल है। वर्षों पहले लाखों रुपए खर्च कर लगाई गई सौर लाइटें पहले ही बंद हो चुकी थीं, अब हाल ही में लगाई गई नई लाइटें भी एक साल के भीतर ही जवाब दे गईं। तीन दिन बाद धार्मिक मेले का आयोजन होना है, लेकिन गांव आज भी अंधेरे में डूबा हुआ है। गांव की गलियों और मुख्य मार्गों पर लगी अधिकांश सोलर लाइटें बंद पड़ी हैं। कई पोल झुक चुके हैं तो कई पूरी तरह खराब हो चुके हैं। ऐसे में रात होते ही पूरे गांव में अंधेरा छा जाता है, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बार-बार शिकायत, कार्रवाई शून्यः

ग्रामीणों का आरोप है कि सौर लाइटों की मरम्मत को लेकर कई बार ग्राम पंचायत को शिकायत दी गई। मामला मीडिया में भी उठ चुका है, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। जमीनी स्तर पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

नई लाइटें भी निकली नाकामः

ग्रामीणों का कहना है कि हाल ही में नई सौर लाइटें लगाई गई थीं, लेकिन उनमें से कई एक साल के भीतर ही खराब हो गईं। इससे कार्य की गुणवत्ता और निगरानी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब नई खरीद के लिए बजट है तो मरम्मत के लिए क्यों नहीं?

मेले से पहले बढ़ी चिंता

पोयणा में होने वाले धार्मिक मेले में सैकड़ों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। ऐसे में रोशनी की कमी से सुरक्षा और व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो विरोध किया जाएगा। अब देखना यह है कि प्रशासन मेले से पहले व्यवस्था दुरुस्त करता है या फिर पोयणा गांव का अंधेरा यूं ही सिस्टम की लापरवाही उजागर करता रहेगा ।

महोत्सव में गूंजे गुरुदेव के जयकारे, मंदिर में नवाया शीश

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। शहर स्थित स्वामी आत्मानंद सरस्वती गुरु मंदिर में मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव की 15वीं वर्षगांठ एवं ब्रह्मलीन स्वामी मोहनानंद महाराज की मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की 12वीं वर्षगांठ श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया। पूरे परिसर को आकर्षक सजावट से सजाया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा। ट्रस्ट के महामंत्री नैनसिंह सांकरणा ने बताया कि आगामी वर्षगांठ महोत्सव की तैयारियों को लेकर चढ़ावे बोले गए तथा विभिन्न धार्मिक आयोजनों की रूपरेखा भी तय की गई। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की तरह इस बार भी आयोजन को भव्य रूप देने के लिए समाज के लोगों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल गुरु मंदिर एवं समाधि छत्री पर ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके पश्चात संत-महात्माओं और श्रद्धालुओं ने मिलकर पुष्पांजलि अर्पित की और महाआरती कर गुरुजनों का स्मरण किया। महोत्सव में गादीपति स्वामी रामानन्द महाराज का सान्निध्य रहा। ट्रस्ट अध्यक्ष दण्डी स्वामी देवानन्द सरस्वती ने धन की उपयोगिता और परोपकार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धन का सही उपयोग समाज सेवा, धर्म के कार्यों और जरूरतमंदों की सहायता में ही है। स्वामी ब्रह्मानंद महाराज ने अपने संबोधन में बच्चों के संस्कारों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि परिवार और समाज की जिम्मेदारी है कि वे नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार दें, ताकि वे भविष्य में आदर्श नागरिक बन सकें। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसादी का आयोजन हुआ। महोत्सव में जालोर समेत सिरोही, पाली व प्रदेश के अन्य स्थानों से भी श्रद्धालुओं ने शिरकत कर गुरु मंदिर में शीश नवाकर खुशहाली की कामना की।

पोक्सो एक्ट व जेंडर सेंसिटाइजेशन पर कार्यशाला

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। पुलिस अधीक्षक धौलपुर विकास सांगवान के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा के सुपरविजन में नवाचारपूर्ण पहल के तहत पुलिस लाइन धौलपुर में पुलिस और मंजरी फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से सेक्शुअल हरासमेंट ऑफ वीमेन एट वर्कप्लेस (प्रिवेंशन, प्रोहिबिशन एंड रिड्रेसल) एक्ट, 2013 (POSH एक्ट) तथा जेंडर सेंसिटाइजेशन विषय पर एक उच्चस्तरीय विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिसकर्मियों को लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम, महिलाओं के प्रति संवेदनशील व सम्मानजनक व्यवहार तथा कार्यस्थल को पूरी तरह सुरक्षित, समानतापूर्ण और पेशेवर बनाने के प्रति जागरूक व सक्षम बनाना था। कार्यशाला में बड़ी संख्या में पुरुष व महिला पुलिसकर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और POSH एक्ट के प्रावधानों, आंतरिक शिकायत समिति (ICC) की भूमिका, शिकायत निस्तारण प्रक्रिया तथा दैनिक फील्ड ड्यूटी में जेंडर संवेदनशीलता अपनाने पर गहन चर्चा की। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि आज की इस कार्यशाला के माध्यम से प्रयास है कि हमारा पुलिस बल न केवल कानून लागू करने वाला बल बने, बल्कि महिलाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील, सम्मानजनक और सुरक्षित कार्य संस्कृति का प्रतीक भी बने। एक सम्मानजनक कार्यस्थल ही हमें समाज की बेहतर सेवा करने की प्रेरणा और शक्ति प्रदान करता है। ऐसी कार्यशालाएँ हम भविष्य में भी नियमित रूप से आयोजित करेंगे।' इस अवसर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा भी उपस्थित रहें।

महिलाओं व बालिकाओं को किया जा रहा है सशक्त

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। जिला पुलिस मुख्यालय राजस्थान के निर्देशन में 16 से 30 अप्रैल तक संचालित राज्यव्यापी विशेष अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के नेतृत्व व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एडीएफ बाड़ी कमल कुमार जांगिड़ व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिकाऊ प्रकोष्ठ हवासिंह के सुपरविजन मे धौलपुर पुलिस महिला व बच्चियों की सुरक्षा और जन-जागरूकता की दिशा में कार्य कर रही है। जिले में 'ऑपरेशन गरिमा' के अंतर्गत व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है, इसके अन्तर्गत जिले के सभी थानों की पुलिस टीमें अपने अपने इलाको में महिला व बच्चियों की सुरक्षा व सशक्त बनाने व जागरूक करने की दिशा में प्रयासरत हैं। इसी सिलसिले में थानाधिकारी थाना बाड़ी कोतवाली देवेन्द्र शर्मा के निर्देशन में बाड़ी कोतवाली पुलिस ने कोचिंग संस्थान एवं स्कूलों के पास पहुंचकर छात्राओं को नवीन कानूनों की बारीकियों से अवगत कराया और उन्हें आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण सिद्धांतों से अवगत कराया गया। इसके पश्चात पुलिस टीम कस्बे के कुछ परिवारों के बीच पहुंचकर बच्चों को बालश्रम से दूर रख कर अनिवार्य रूप से स्कूल भेजने के लिए समझाइश की। ज़िले में महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास को सुदृढ़ करने के ध्येय से समस्त थाना क्षेत्रों में एक साथ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। अभियान के निमित्त गठित विशेष पुलिस टीमे स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थानों, बाजारों, मॉल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और पार्कों जैसे सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थलों पर सघन चेकिंग और गश्त कर रही है। इस दौरान संदिग्ध अवस्था में घूम रहे व्यक्तियों की पहचान कर उनसे कड़ी पूछताछ कराई जा रही है तथा असामाजिक तत्वों को भविष्य के लिए सख्त चेतावनी दी जा रही है, मनचलों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई भी अमल में लाई जावेगी। इस अभियान के दौरान महिला पुलिस अधिकारी और कार्मिक छात्राओं व महिलाओं के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति सचेत कर रही है। महिलाओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, 1091 एवं 112 की उपयोगिता, साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित प्रयोग तथा स्टॉकिंग एवं छेड़छाड़ जैसी घटनाओं से बचाव के उपायों पर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। 'संवेदनशील स्थानों' को चिह्नित कर वहां विशेष निगरानी तंत्र विकसित किया जा रहा है और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की गहन जांच की जा रही है। जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि 'ऑपरेशन गरिमा' एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता को दोहराया जा रहा है। उन्होंने समाज के हर वर्ग से अपील की कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को रोकने में सहभागी बने और किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार या संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना नजदीकी थाने या हेल्पलाइन पर दें, ताकि एक सुरक्षित और मर्यादित समाज का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।

गहलोत सरकार ने छात्रसंघ चुनाव रोके, हमारी सरकार सकारात्मक सोच रहीः गोरा

यूथ कांग्रेस की चुनावी प्रक्रिया पर खड़े किए सवाल

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। जालोर के रीको एरिया स्थित ग्रेनाइट एसोसिएशन भवन में शनिवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा की मौजूदगी में युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा ने कार्यकर्ताओं को संगठित होकर कार्य करते रहने की सीख दी। साथ ही कहा कि पड़ोसी जिले बालोतरा में एशिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी का उद्घाटन 21 तारीख को होने जा रहा है, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों यह कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में जालोर जिले से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को शामिल होने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद जिस प्रकार से मोदी सरकार के कार्यकाल में आमजन के काम हुए हैं, उस देश में खुशहाली का माहौल है। आमजन को राहत मिली है। गोरा ने कहा कि रिफाइनरी के निर्माण से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने अपने भाषण में प्रदेश में भजनलाल शर्मा के नेतृत्व की भाजपा सरकार की सरहना करते हुए कहा कि युवाओं के लिए नौकरी का कैलेंडर जारी कर दिया है, समय-समय पर युवाओं को पता लगता रहेगा कि उनकी नौकरी के लिए कब भर्ती निकलेगी और कब परीक्षा होगी। उन्होंने पूर्व में हुई भर्ती परीक्षाओं पर भी तंज कसा और भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार की प्रशंसा भी की। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला प्रभारी महेंद्र मेघवाल, भूपेंद्र देवासी, गजेन्द्रसिंह सिसोदिया, बंशीलाल सुथार, रवि सोलंकी, सुरेश सोलंकी, दिनेश महावर, सत्यनारायण, अमन मेहता परमवीरसिंह भाटी, दशरथसिंह भाटी, हिनल व्यास समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रकाश जांगू ने किया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने गोरा का 51 किलो की फूल माला व तलवार भेंट कर स्वागत किया। यूथ कांग्रेस की चुनावी प्रक्रिया पर खड़े किए सवाल इसके बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए उन्होंने कहा कि 2023 से पहले कांग्रेस की सरकार ने छात्र संघ चुनाव बंद किए थे, उस समय हमारे संगठन ने मांग की थी, सेमेस्टर प्रक्रिया होने के कारण कुछ कठिनाई आई थी। अब बीजेपी सरकार छात्रसंघ चुनाव को लेकर सकारात्मक रूप से सोच रही है उम्मीद है सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उनकी विचारधारा से जुड़े संगठन आमजन को जमीन से जुड़े कार्यकर्ताओं को मौका देते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष, मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष का हवाला देते हुए कहा कि इसी सोच के कारण हम जैसे युवाओं को इन पदों तक पहुंचने का मौका मिला है। वहीं दूसरे दलों में हालात विपरीत है, उन्होंने यूथ कांग्रेस के हो रहे चुनाव को लेकर भी तंज कसते हुए सवाल खड़े किए और कहा कि शुरुआत में ही पैसे लेकर बनाए जा रहे सदस्य कैसे होंगे और दूर दराज में बैठे गरीब तबके के युवा कैसे पैसे देकर सदस्य बन पाएंगे, यह सोचने वाला विषय है। उन्होंने कहा कि यूथ कांग्रेस के संगठन में शुरुआत में ही भ्रष्टाचार दिख रहा है, जो करोड़ों खर्च कर पद हासिल करेगा वो कैसी सेवा कर पाएगा।

नोबल गौरव सम्मान यात्रा 2026

ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगा मंच, स्कूटी व साइकिल देकर किया जाएगा सम्मान

90% से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों का गांव–गांव में होगा अभिनंदन, शिक्षा व करियर मार्गदर्शन पर रहेगा विशेष फोकस

ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नोबल शिक्षण समूह, देवलावास द्वारा "नोबल गौरव सम्मान यात्रा 2026" का आयोजन किया जा रहा है। इस अनूठी पहल के तहत गांव–गांव जाकर मेधावी छात्र–छात्राओं का सम्मान किया जाएगा तथा शिक्षा और करियर निर्माण के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जाएगा। नोबल एजुकेशन ग्रुप के निदेशक इंजीनियर संदीप नेहरा ने बताया कि इस वर्ष 10वीं और 12वीं में 97 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 3 विद्यार्थियों को स्कूटी देकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं 92 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 36 विद्यार्थियों को साइकिल प्रदान की जाएगी। इसके अलावा 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को "नोबल वॉच" देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सम्मान कार्यक्रम गांव की चौपाल पर आयोजित होगा, जहां पूरे गांव की उपस्थिति में मेधावी विद्यार्थियों का अभिनंदन किया जाएगा। पिछले 25 वर्षों से चल रही इस परंपरा को ग्रामीणों द्वारा खूब सराहा जा रहा है और इसे सामाजिक प्रेरणा का एक सशक्त माध्यम माना जा रहा है।

भिर्र की लाडली बेटी अदिति मान ने रचा इतिहास, RBSE 10वीं में राज्य मेरिट में 11वां स्थान हासिल

भिर्र (बुहाना), झुंझुनूं ब्यूरो चीफ रवि शर्मा

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (RBSE) द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परिणामों में इस बार भी बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना परचम लहराया है। इसी कड़ी में झुंझुनूं जिले के भिर्र गांव की होनहार छात्रा अदिति मान ने 98.00% अंक प्राप्त कर प्रदेश की मेरिट सूची में 11वां स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया। अदिति मान, श्री अजय सिंह मान की सुपुत्री हैं। उनकी इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे गांव और विद्यालय में खुशी की लहर दौड़ गई है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाना वाकई प्रेरणादायक है।

सम्मान समारोह का आयोजन

अदिति की इस शानदार सफलता के उपलक्ष्य में 19 अप्रैल 2026, शाम 5:00 बजे भिर्र गांव के खेल मैदान में एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नोबल शिक्षण समूह के डायरेक्टर डॉ. संदीप नेहरा द्वारा अदिति को स्कूटी प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

जिले का शानदार प्रदर्शन

इस वर्ष झुंझुनूं जिले के विद्यार्थियों ने न केवल संख्या में बल्कि गुणवत्ता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। अदिति मान जैसे प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं ने जिले को नई पहचान दिलाई है।

सफलता का मंत्र

अदिति ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता के मार्गदर्शन और शिक्षकों की मेहनत को दिया है। उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

NOBLE
Educational Group, Deolawas
Since-2003
ADMISSION OPEN
नोबल
शिक्षण समूह – देवलावास
बुहाना जिला-झुंझुनूं (राज.)-333515
स्कूल . कॉलेज . हॉस्टल . कोचिंग
IIT-JEE/NEET/FOUNDATION CLASSES
Contact No.(Off.) - 01593-299428, 9680515100
OPEN FOR 2026-2027
संदीप नेहरा
M.Sc.(Gold Medalist) M.Tech
प्रबंध निदेशक
Noble Educational Group

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।